डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 06 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 09 मार्च से 15 मार्च 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

ईरान ने यूएई, सऊदी, कतर, बहरीन और ओमान में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए

-फिर भी इन देशों ने ईरान पर पलटवार नहीं किया
-ईरानी मिसाइल और ड्रोन से हमले के बाद भी इन देशों के हुक्मरान किसी न किसी तरह ईरान से सहमत नजर आ रहे हैं
-क्या खाड़ी के मुस्लिम देश अमेरिका से पीछा छुड़ाना चाहते हैं
-खादी के मुस्लिम देशों की जनता ईरान के पक्ष में प्रदर्शन करती नजर आ रही है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इजराईल अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर अचानक करीब 200 लड़ाकू विमान से बम और मिसाईलों से आक्रमण कर दिया । इज़राईल और अमेरिका के इस आक्रमण में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अली खुमेनेई की मौत हो गई । अली खुमेनई की मौत के बाद ईरान ने पलटवार करते हुए इज़राईल, बहरीन, कुवैत, यूएई, सऊदी अरब और ओमान पर पलटवार किया। इजराईल अमेरिका के हमलों से ईरान की राजधानी तेहरान सहित अन्य शहरों में स्थित सैन्य ठिकाने, बच्चों के स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, रिफाइनरी, सैन्य हथियार गोदाम और अन्य ठिकानें एक-एक करके नष्ट हो गए। 10 दिन युद्ध के बाद भी अभी तक निर्णायक स्थिति नहीं है। सैन्य तकनीकी के लिहाज से अमेरिका इजराईल काफी मजबूत दिखाई दे रहे हैं । इजराईल अमेरिका के पास विश्व का सबसे मजबूत डिफेंस सिस्टम है। ईरान इजराईल पर अब तक 200 से 400 मिसाइल और ड्रोन से अटैक कर चुका है। फिर भी 10 से 20% मिसाइल और ड्रोन ने इजराईली ठिकानों को नुकसान पहुंचा पाया है। लेकिन यह जरूर है कि ईरान के पास मिसाइल और ड्रोन की संख्या अंदाजे से कहीं ज्यादा होने की संभावना है। इसी कारण से ईरान का पलटवार 10 दिन बाद भी कमजोर होता नजर नहीं आता है। युद्ध में दोनों ही पक्षों में बार-बार पलटवार होता नजर आ रहा है। अमेरिका इजराईल और ईरान को बड़ा नुकसान उठाने के बाद भी कोई भी पक्ष पीछे हटने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिका इजराईल 5 से 7 दिन में ईरान को हराकर यह युद्ध जीत लेना चाहते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं लग रहा है। ईरान की युद्ध नीति और मिसाइल ताकत के कारण युद्ध लंबा खिचता नजर आ रहा है। यह युद्ध अमेरिका को बहुत महंगा साबित हो सकता है। अमेरिका की ईरान में सत्ता परिवर्तन की मंशा पूरी होती नहीं लग रही है।

युद्ध की सही जानकारी मिलना मुश्किल

अमेरिका इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की सही जानकारी मिलना मुश्किल हो रही है, क्योंकि इजराईल अमेरिका ने उनके विरोध में युद्ध घटनाएं दिखाने पर रोक लगा रखी हैं । इसके अलावा इज़राईल हमेशा समाचारों को एडिट करने के बाद ही इजाजत देता है। अमेरिका का विश्व की मीडिया में बड़ा दखल है। इसी तरह ईरान में इंटरनेट सेवा और संचार सेवाएं पूरी तरह बंद हैं, इसलिए ईरान में अंदर हमलों के बाद कैसे हालात हैं ? पूरी जानकारी नहीं मिल पाती है । ज्यादातर युद्ध की जानकारी या तो वही देश दे रहे हैं जो हमला करते हैं, क्योंकि हमला करने का आक्रमणकारी देश वीडियो भी बनाता है और दुश्मन को कमजोर दिखाने के लिए इस सोशल मीडिया पर वायरल करता है। इसके अलावा विश्व के लोगों को युद्ध की कुछ जानकारी सोशल मीडिया से मिलती है । लेकिन सोशल मीडिया की ज्यादातर युद्ध खबरों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। ज्यादातर देशों के सरकारी चैनल और निजी चैनल भी युद्ध के समाचार पक्षपात करके दिखाते हैं और अपना हित देखते हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि इजराईल अमेरिका और ईरान के युद्ध की पूरी और सही जानकारी मिलना मुश्किल है। ज़्यादातर फेक न्यूज़ चैनलों पर दिखाई जा रही है।

युद्ध कितना लंबा चल सकता है ?

इजराईल अमेरिका ने युद्ध शुरू करने से पहले यही सोचा होगा कि युद्ध 5-7 दिन में समाप्त करके ईरान पर कब्जा कर लिया जाएगा । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्ध से पहले धमकियों से यह लगता था । इजराईल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहु कहते थे कि हम ऐसे युद्ध का 50 वर्षों से इंतजार कर रहे थे। इजराईल और अमेरिका के राष्ट्रध्यक्षो के वक्तव्यों से ऐसा लग रहा था कि ईरान को 5 - 7 दिन में झुका कर अपनी मंशा की हुकूमत बनवाकर छोड़ दी जाएगी । लेकिन युद्ध शुरू होने पर और ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता खुमेनोई की मौत के बाद भी ईरान पिछले 10 दिनों से लगातार इजराईल अमेरिका पर पलटवार कर रहा है। पलटवार ही नहीं ईरान ने अंदाजे से ज्यादा इजराईल अमेरिका को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ईरान ने अमेरिका के दर्जनों सैन्य बेस और डिफेंस सिस्टम को बर्बाद कर दिया और थॉड जैसे सुरक्षा कवच को नष्ट कर दिया। खबरे एसी भी आ रही हैं कि ईरान के हमलो में सैकड़ो अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं। वैसे इजराईल अमेरिका युद्ध में ईरान पर भारी पड़ रहे हैं। लेकिन युद्ध एक तरफा दिखाई नहीं दे रहा है। ईरानी सैन्य कमांडरो से आई खबरों के अनुसार कहा जा सकता है कि ईरान लंबे युद्ध के लिए तैयार है । ईरानी कमांडरों का कहना है कि अमेरिका ईरान को झुका नहीं सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी युद्ध 5- 7 सप्ताह चलने का अंदेशा जताया है । अमेरिका इस युद्ध को जीतने की हर कोशिश कर रहा है, जबकि ईरान मरते दम तक मुकाबले के लिए तैयार है । युद्ध क्षेत्र से जो खबरें आ रही है उससे यही लगता है कि अमेरिका इजराईल और ईरान युद्ध कुछ महीना और साल तक लंबा चल सकता है । चीन रूस ईरान की युद्ध में सहायता कर रहे हैं।

ईरान पर पलटवार क्यों नहीं कर रहे मुस्लिम देश ?

ईरान ने यूएई, सऊदी अरब, कतर, बहरीन और ओमान में मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए । ईरानी हमलों के कारण इन देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकाने, सैन्य खुफिया कार्यालय, अमेरिका की सहायता कर रहे कारोबारी कार्यालयों, अमेरिकी सेना के राडार सिस्टम को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान के एक तरफा हमलों के बाद भी इन मुस्लिम देशों ने ईरान पर पलटवार नहीं किया । यदि ईरान पर पलटवार होता तो ईरान की हालत अब तक काफी खराब हो चुकी होती। इन मुस्लिम देशों में जनता ईरान के पक्ष में और अमेरिका के विरोध में प्रदर्शन करती नजर आई । ईरान पर मुस्लिम देशों का पलटवार इसलिए भी नहीं हुआ क्योंकि इन मुस्लिम देशों के हुक्मरान अमेरिका से भी खुश नहीं हैं । अमेरिका ने जबरदस्ती इन देशों में सैन्य ठिकाने बना लिए और इन मुस्लिम देशों से सुरक्षा के नाम पर भारी सुरक्षा राशि वसूल करता है । अमेरिकी ठिकानों पर ईरान से हमलों पर मुस्लिम देशों के हुक्मरान कहीं ना कहीं सहमत दिखाई दे रहे हैं और दिखावटी रूप से ईरान का विरोध भी कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में ज्यादातर मुस्लिम देश अमेरिका से छुटकारा पाना चाहते हैं। यह देश अंदर ही अंदर काफी खुश हो सकते हैं, क्योंकि अमेरिका को अपने-अपने देश से निकलना आसान नहीं है। ईरान ने मुस्लिम पड़ौसी देश जहां पर अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं, को मिसाइल और ड्रोन के हमलो से भारी नुकसान पहुंचाया है।

डिस्टर्ब एरिया बिल की लोकतंत्र में कोई जगह नहीं – चोपदार

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को भाजपा सरकार की ओर से पारित कराए गए डिस्टर्ब एरिया बिल को लेकर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम.डी. चोपदार ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए भाजपा सरकार के इस फैसले को लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ बताया है। चोपदार ने शनिवार को इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में डिस्टर्ब एरिया बिल को लेकर कहा, कि सरकार का मूल एजेन्डा केवल हिन्दु मुस्लिम करके धुव्रीकरण करना है। उन्होने इस बिल को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए कहा कि संविधान समानता का अधिकार देता है, लेकिन ये बिल पूरी तरह से मौलिक अधिकारों का भी हनन करता है। उन्होने कहा कि कैसे एक वर्ग विशेष के क्षेत्र को डिस्टर्ब एरिया घोषित किया जा सकता है। एम.डी. चोपदार ने कहा कि पर्ची सरकार केवल पर्ची पर काम कर रही है, क्यों कि ऐसा ही कानून गुजरात राज्य में लागू है, ये सरकार केवल गुजरात मॉडल का फार्मूला राजस्थान में लागू करना चाहती है। हिन्दू-मुसलमान की राजनीति राजस्थान का कल्वर नहीं रहा है। यहाँ सभी वर्ग प्यार और मोहब्बत से रहते आए है। लेकिन भाजपा सरकार इस तरह के कानून लाकर हिन्दू-मुसलमान के बीच खाई बढाना चाहती है। उन्होने कहा कि आगामी समय में निकाय और पंचायती राज चुनाव होने है, राज्य सरकार को निकाय और पंचायती राज चुनाव में करारी हार दिख रही है। क्यों कि ढाई साल के शासन में जनता के कोई काम नहीं हुए। जनता त्राहिमाम त्राहिमाम कर रही है और भाजपा सरकार को सबक सिखाना चाहती है। अब जनता की नाराजगी भांपकर भाजपा सरकार लोंगो को बांटने का वाला कानून लेकर आई है। एम.डी. चोपदार ने कहा कि इस तरह के कानून लाकर सोचती है कि हिन्दु मुसलमान की राजनीति कर लेगी, तो ये सरकार की भूल है। कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा की धुव्रीकरण वाली राजनीति को कामयाब नहीं होने देगा। एम.डी. चोपदार ने कहा कि पहले भी भाजपा सरकार धर्मातरण विरोधी कानून लेकर आई थी। उसके खिलाफ हम लोग सुप्रीम कोर्ट गए है। अब डिस्टर्ब एरिया बिल के खिलाफ भी कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। उन्होने कहा कि हम इस बिल के खिलाफ पूरे प्रदेश में आंदोलन भी करेंगे।

खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करना सरकार की प्राथमिकता- भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हनुमानगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शामिल हुए। इसके पश्चात उन्होंने किसानों से खेती, सिंचाई, बिजली सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद कर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री का श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के किसानों ने बजट में गेहूं की एमएसपी खरीद पर 150 रुपये बोनस की घोषणा तथा नहरी तंत्र में सुधार के प्रयासों के लिए आभार जताया। इस दौरान किसानों ने शर्मा को गेहूं का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ किया संवाद-

शर्मा ने किसानों के साथ संवाद कर बिजली आपूर्ति, नहरों के सुदृढ़ीकरण, फिरोजपुर फीडर की पानी वहन क्षमता बढ़ाने सहित विभिन्न मुद्दों पर सरकार द्वारा किए जा रहे विशेष प्रयासों पर फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ बातचीत कर खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। शर्मा ने कहा कि श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ अन्न उत्पादन करने वाले महत्वपूर्ण जिले हैं। राजस्थान को अनाज का भंडार बनाने में यहां के किसानों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के लिए सिंचाई व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने के सार्थक प्रयास कर रही है।

सिंचाई परियोजनाओं पर राज्य सरकार कर रही ठोस काम-

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने फसलों की सिंचाई के लिए अन्य राज्यों के साथ चल रहे जल से संबंधित मुद्दों को सुलझाने की दिशा में काम किया है। इसी प्रकार प्रदेश में जल संसाधनों के विकास के लिए बड़े स्तर पर योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन कार्यों से हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर क्षेत्र को भी भविष्य में सिंचाई के लिए अधिक पानी मिलेगा।

कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती पर किसान दें जोर-

शर्मा ने किसानों से समय के अनुरूप खेती की पद्धतियों में हो रहे बदलावों को अपनाने की अपील की। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

यूपीएससी परीक्षा में मुस्लिम उम्मीदवारों का सिलेक्शन संतोषजनक नहीं

-958 में से मात्र 53 अभ्यर्थी का सिलेक्शन
-देश में करीब 17-18 प्रतिशत आबादी है मुसलमान की
-टॉप 30 में मात्र 3 मुस्लिम उम्मीदवार सफल

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में गिनी जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा (UPSC Exam) के फाइनल नतीजे सामने आ गए हैं। इस बार अनुज अग्निहोत्री ने परीक्षा में टॉप किया है। वहीं, टॉप-50 उम्मीदवारों की लिस्ट में ए आर राजा मोहिद्दीन और इफरा शम्श अंसारी जैसे मुस्लिम उम्मीदवारों ने भी जगह बनाकर खास पहचान बनाई है। दरअसल, सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में मानी जाती है, जिसके जरिए भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS) समेत कई अहम सेवाओं के लिए अधिकारियों का चयन किया जाता है। इस बार जारी रिजल्ट में ए आर राजा मोहिद्दीन, मुस्लिम उम्मीदवारों में टॉप करने वालों में अव्वल हैं, जिनकी रैंक 7वीं है। इसी तरह इफरा शम्श अंसारी ने ओवर ऑल 25वीं रैंक हासिल कर मुस्लिम महिला उम्मीदवारों में पहले नंबर पर हैं।

UPSC CSE में कैसे होता है सेलेक्शन ?

सिविल सेवा परीक्षा तीन अहम चरणों में आयोजित की जाती है। प्रारंभिक परीक्षा (Prelims), मुख्य परीक्षा (Mains) और व्यक्तित्व परीक्षण (Personality Test या Interview) । इन तीनों चरणों को सफलतापूर्वक पार करने के बाद ही उम्मीदवारों का फाइन सेलेक्शन किया जाता है। रैंक के आधार पर उन्हें IAS, IPS, IFS जैसी प्रतिष्ठित पदों पर तैनाती दी जाती है। सिविल सेवा परीक्षा 2025 की चयन प्रक्रिया की शुरुआत मई 2025 में हुई थी, जब प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई। प्रीलिम्स परीक्षा 25 मई 2025 को हुई थी। इसके बाद 22 अगस्त से 31 अगस्त 2025 के बीच मुख्य परीक्षा आयोजित की गई। वहीं, आखिरी चरण यानी पर्सनैलिटी टेस्ट या इंटरव्यू 27 फरवरी 2026 को खत्म हुआ। इंटरव्यू इस परीक्षा का अंतिम चरण होता है, जिसके पूरा होने के बाद ही अंतिम परिणाम जारी किया जाता है। अब परीक्षा के तीनों चरण पूरे हो चुके हैं और आयोग ने आखिरकार फाइनल रिजल्ट घोषित कर दिया है।

देश में जनसंख्या अनुपात की अपेक्षा मुस्लिम उम्मीदवारों का सिलेक्शन काफी कम है

देश में मुसलमानों की जनसंख्या करीब 17-18% के आस-पास है। लेकिन यूपीएससी की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में मात्र 5 प्रतिशत मुस्लिम प्रतिभागियों को ही सफलता मिली है। जबकि जनसंख्या के हिसाब से करीब 175-180 मुस्लिम प्रतिभागियों को सफलता मिलनी चाहिए। इस बार यूपीएससी में करीब 50 के लगभग मुस्लिम उम्मीदवार सफल हुए हैं। इससे पता चलता है कि देश में मुस्लिम वर्ग अभी तक कितना शैक्षिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है। शिक्षा में पिछड़ा होने के कारण मुस्लिम का विकास नहीं हो पा रहा है। समाज के पास उपलब्ध साधनों और संसाधनों का सही तरीके से प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समाज में कम शिक्षा होने के कारण राजनीति में भी पिछड़ता जा रहा है, मुसलमानों में बेरोजगारी भी बढ़ती जा रही है।

अमरपुरा के लेविन इंटरनेशनल एकेडमी का परचम

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। अमरपुरा स्थित लेविन इंटरनेशनल एकेडमी सेकेंडरी स्कूल के लिए गर्व का क्षण तब आया जब विद्यालय के दो होनहार विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित संस्थानों में चयन हुआ। विद्यालय की छात्रा जिया यादव (पुत्री अर्जुन यादव) का चयन सैनिक स्कूल में तथा छात्र वंश कुमार माहीच (पुत्र योगेश माहीच) का चयन एनएसएस में हुआ है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में बच्चों का मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार यादव, सचिव संतोष कुमार यादव, अध्यक्ष राजेश कुमार यादव तथा सुरेश कुमार यादव ने चयनित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय हमेशा से विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें।

ग़ज़ल

दर्दे दिल मेरा जूं जूं सिवा होता है
हिजाबे ज़िन्दगी त्यों त्यों वा होता है।
टहेर जाए ख्याले दोस्त तू भी ज़रा
आज किस्सा ही मेरा पूरा हुआ होता है।
ढीली हो जाती है जब वक़्त की गिरिफ़्त
शिकवा उमरे रवां से मेरा होता है।
मानिन्द चाँद जब तेरी होती है नमूद
दिल के जज़बात पे काबू ना मेरा होता है।
ज़िन्दगी क्या है यह ना समझे हम अब तक
हिजाब एक और पड़ता है अगर एक वा होता है।
यूँ तो कहने को क़राबत है मुफ्त से लेकिन
पास रहकर भी वोह मुझ से जुदा होता है।
भीक मांगीं है आज ज़िन्दगी की तुमसे
देखना है कि कज़ा का मेरी क्या होता है।
अपनी दुनिया को बसाने की थी कोशिश मेरी
होता वही है जो मंज़ूरे खुदा होता है।
लोग कुछ भी कहते रहें ए "हबीब"
लोगों के कहने से बस क्या होता है।

-हबीबुल्लाह एडवोकेट

तुमसे भी ज़्यादा हंसी है

कभी तो सुब्हा जल्दी से आया करो ना
ऐसा करो तुम रात को जाया करो ना
झुलसा हुआ सा देखो ये दिल हमारा
आंचलसे पास आओ ज़रा साया करो ना
देकर मुझे दर्द तुम वापस क्या लोगे
कहता हूं इसलिए ही आज़माया करो ना
अजनबी तो हम तुम्हारे थे नहीं कभी
हमसे तुम्हारा जोबन ये छिपाया करो ना
दिल के सिवा कभी किसी की न सुनो
सौदा हो मुनाफे का तो ज़ाया करो ना
ये दिल तुम्हारा तुमसे भी ज़्यादा हंसी है
बिन बात इस दिल को दुखाया करो ना
ज़माना तो बस बहता दरिया है लेकिन
लहरों पे हमको चलना सिखाया करो ना

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवानिवृत्त

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

"स्मार्ट सिटी" की गलियों में गंदगी का "अंबार", जर्जर नाला बना मौत का फांस

-निगम और जनप्रतिनिधि मौन

-वार्ड 19 के निवासियों का फूटा गुस्सा; पार्षद को बताया 'लापता', विधायक के आश्वासनों पर भी उठाए सवाल; नाले में गिर चुके हैं वाहन और राहगीर

भूप सिंह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर राजधानी जयपुर को 'गुलाबी नगरी' और साफ-सुथरा शहर कहा जाता है। लेकिन शहर की अंदरूनी बस्तियों की हकीकत इसके उलट है। वार्ड नंबर 19 (हवामहल जोन) में स्थित एक विशाल नाला वर्तमान में नर्क का द्वार बना हुआ है। नाले में जमा गंदगी का अंबार और इसकी जर्जर दीवारें किसी बड़े हादसे को खुला निमंत्रण दे रही हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर निगम के अधिकारी और क्षेत्रीय पार्षद उनकी शिकायतों को अनसुना कर रहे हैं।

नाले की दीवार में आई दरारें, हादसे का डर

रॉयल पत्रिका की टीम ने जब मौके का मुआयना किया तो पाया कि नाले की दीवारें कई जगह से टूट चुकी हैं और उनमें गहरी दरारें आ गई हैं। हाल ही में एक मस्जिद की दीवार गिरने से हुए हादसे का जिक्र करते हुए स्थानीय निवासी मोहम्मद सद्दीक ने बताया, "दीवारें इतनी कमजोर हैं कि कभी भी गिर सकती हैं। यहाँ आए दिन बाइक और रिक्शा नाले में गिर रहे हैं। तीन दिन पहले ही एक मोटरसाइकिल सवार नाले में गिर गया, जिससे उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया।"

पार्षद और निगम की मिली भगत के आरोप

क्षेत्र के लोगों में स्थानीय पार्षद अफ़ज़ल महबूब के खिलाफ भारी आक्रोश है। मोहम्मद रईस और अन्य युवाओं का कहना है कि पार्षद सिर्फ बजट न होने का बहाना बनाते हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि नाले का निर्माण इतना घटिया होता है कि वह दो महीने भी नहीं टिकता। निवासियों ने तीखे शब्दों में कहा, "पार्षद और ठेकेदार मलबे और मिट्टी से काम चला देते हैं ताकि दोबारा टेंडर पास कराकर पैसा बनाया जा सके। आगामी पार्षद चुनाव में जनता इन्हें सबक सिखाएगी।"

विधायक से उम्मीद, पर धरातल पर काम शून्य

हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य से भी क्षेत्रवासियों ने गुहार लगाई है। लोगों का कहना है कि विधायक साहब आते हैं, देखकर चले जाते हैं और नाले को ऊपर से ढकने (छपाने) का आश्वासन भी देते हैं। लेकिन अब तक एक पत्थर भी नहीं हिला है। स्थानीय निवासी इस बात से परेशान हैं कि सत्ता में होने के बावजूद विधायक इस गंभीर समस्या का समाधान क्यों नहीं करवा पा रहे हैं।

अधिकारियों ने साधी चुप्पी, जिम्मेदारी से झाड़ रहे पल्ला

जब इस समस्या को लेकर 'रॉयल पत्रिका' ने हवामहल जोन कार्यालय के अधिकारियों से संपर्क किया, तो उन्होंने कैमरे पर कुछ भी बोलने से मना कर दिया। अधिकारियों का तर्क है कि यह मामला पुराने अधिकारियों के समय का है। वहीं पार्षद ने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा और विधायक ने शहर से बाहर होने का हवाला दिया। सवाल यह है कि अगर इस जर्जर नाले की वजह से कोई जनहानि होती है, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा?

चौमूं में यादव महासभा का होली मिलन समारोह: मेधावी, चयनित युवा व खिलाड़ियों का सम्मान; महिला कार्यकारिणी ने ली शपथ

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं में जयपुर जिला देहात यादव महासभा द्वारा श्री कृष्ण महिला छात्रावास में होली मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जयपुर जिला महिला कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों, राजकीय सेवाओं में नवचयनित प्रतिभाओं, भामाशाहों, राष्ट्रीय खिलाड़ियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। यादव महासभा ने होली मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान यादव समाज, जयपुर जिले द्वारा सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण सामाजिक निर्णय लिए गए। इनमें नानी के गोत्र में विवाह को समाप्त करना, प्री-वेडिंग, डीजे और होटल संस्कृति को सीमित करना तथा मृत्यु भोज प्रथा को पूर्ण रूप से बंद करना शामिल है। डॉ. रामगोपाल यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति समाज में शिक्षा के बढ़ते स्तर का प्रमाण है। उन्होंने महिलाओं और युवाओं को मानसिक, शारीरिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने का संदेश दिया। डॉ. यादव ने ओबीसी आरक्षण की त्रुटियों को

भी बह जे दूर कर राजस्थान में 27 प्रतिशत आरक्षण पूर्ण रूप से लागू करने तथा छात्रों को जागरूक रहने के लिए भी प्रेरित किया।

यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. करण सिंह यादव ने बताया कि समाज के आठ युवाओं का राजकीय सेवाओं में चयन होना यादव समाज में शिक्षा के तेजी से बढ़ते प्रसार का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान में यादव समाज के छात्रावासों की श्रृंखला का लगातार विस्तार हो रहा है और विभिन्न स्थानों पर नए छात्रावासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। डॉ. खातोदिया के अनुसार समाज की सोच सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और लोग कुरीतियों को त्याग कर शिक्षा व समाज हित में दान देने के लिए आगे आ रहे हैं। इस अवसर पर यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश यादव, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष हरसहाय यादव और महेंद्र यादव, महिला प्रदेश अध्यक्ष चंचल यादव, डॉ. दूदू से मोहन आफरिया, रामबाबू जी, सांवरमल यादव (कोटपूतली), डॉ. रामनारायण यादव, जिलाध्यक्ष जगदीश खातोदिया, युवा नेता छुट्टन यादव और सुरेश यादव, एडवोकेट हेमराज यादव, नारायण सिंह यादव, प्रधान जालसू हरदेव यादव, विश्व परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव, समाज के मीडिया प्रभारी भगवान सहाय यादव, रिटायर नंदकिशोर पूर्व जिला परिषद के सदस्य वंदना यादव, समाज पूर्व अध्यक्ष सरदार यादव, कमल सिंह यादव फुलेरा तहसील अध्यक्ष, जोबनेर तहसील अध्यक्ष सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बलाई विकास समिति जयपुर ने 450 महिलाओं का किया सम्मान

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोरीजा रोड बलाई समाज सभा-भवन के सामने रविवार को बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से महिला सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. शिखा मिल बराला ने महिलाओं को अंधविश्वासों से दूर रहने एवं शिक्षा के प्रति आगे बढने पर जोर दिया। साथ ही डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को ग्रहण करने की बात कही। अध्यक्षता समिति अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार ने की। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं अपने बच्चों का विशेष ध्यान देने व शिक्षा के प्रति आगे बढ़ने पर जोर दिया एवं समिति द्वारा मातृशक्ति का सम्मान होना बहुत ही सराहनीय बताया। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान बदाम देवी ने कहां कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने महिलाओं को समानता का अधिकार दिया, जिससे महिलाएं शिक्षा ग्रहण कर आगे बढ़ रही है। विशिष्ठ अतिथि एसीपी सोनचंद लाडना, सांभरलेक पूर्व प्रधान दुर्गेश वर्मा, समाजसेवी अनीता सिंह, कस्टम एसपी रामजीलाल महरडा, डॉ. सुरेश कुमार वर्मा, समिति संरक्षक रामकिशोर राय, सेवानिवृत एडीएम केआर बुनकर आदि ने भी

अपने-आपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों का समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, उपकोषाध्यक्ष नानगराम लुनिवाल, मुख्य संयोजक सुरेश कुमार महरिया, लालाराम महरडा व गोपीचंद महरडा सहित समिति के पदाधिकारी एवं सह संयोजकों ने माला, साफा व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समिति द्वारा 450 महिलाओं का माला, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व अतिथि द्वारा डॉ. अंबेडकर, ज्योतिबा फुले व गरीब साहेब के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। 40 बच्चियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया, जिनका समिति द्वारा सम्मान किया। मंच संचालन अल्का बरी व राजकुमार इंद्रेश ने किया। इस दौरान नाथूलाल बराला, राजपाल सिंह नरनोलिया, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, कालूराम सामरिया, शंकरलाल सरावता, सेडूराम मेदवाल, हनुमान सहाय झाटीवाल, नानगराम लुनिवाल, राधेश्याम बुनकर, गोविंदगढ़ पंसस राधेश्याम खारडिया, जालसू पंसस सुनिता वर्मा, मुकेश कुमार कालोया, प्रहलाद राय जाटावत, हरिनारायण मरोडिया, नरेश कुमार रोजड़ा, घीसालाल बबेरवाल तुलसीराम बामनिया, राहुल कुमार जोया, रविकांत वर्मा, पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट धर्मेंद्र कुमार घसिया, प्रशासक मनोहर सरावता, सुभाष बरी, सायरचंद बुनकर, गोर्वधन बिदावत, शंकरलाल खंडेलवाल, विरेन्द्र हरसोलिया, चांद नारनोलिया, इन्द्रा रोजडा, सुनिता कालोया, पिंकी परिहार, पार्वती देवी, शुभम हरसोलिया, रोहित परिहार सहित हजारों समाजबंधु मौजूद रहे।

अन्तर संभागीय सिविल सेवा कबड्डी टूर्नामेंट में जयपुर की पुरुष-महिला टीमों का जलवा

-डिप्टी सेकेट्री सुशील माथुर की कप्तानी में गोल्ड पर कब्जा

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। 12 वीं राजस्थान राज्य अंतर-संभागीय सिविल सेवा खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 में कबड्डी के मैदान पर जयपुर मुख्यालय का जबरदस्त दबदबा देखने को मिला। रोमांचक मुकाबलों से भरे इस टूर्नामेंट में जयपुर मुख्यालय की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर डबल गोल्ड अपने नाम किया। उदयपुर में 5 से 7 मार्च तक आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में जयपुर की टीमों ने हर मैच में आक्रामक खेल, मजबूत रक्षा और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया। डिप्टी सेक्रेटरी सुशील माथुर की कप्तानी में पुरुष टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए फाइनल मुकाबले में विपक्ष को शिकस्त देकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया, वहीं महिला टीम ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल

किया। कार्मिक विभाग के तत्वावधान में जिला प्रशासन उदयपुर द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी संभागों तथा जयपुर मुख्यालय से कुल 8 टीमों ने भाग लिया। महाराणा भूपाल स्टेडियम में पहली बार प्रोफेशनल मैट पर खेले गए मुकाबलों ने प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना दिया। जयपुर की टीमों ने तेज रेड, मजबूत डिफेंस और बेहतरीन रणनीति के दम पर पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। 7 मार्च को आयोजित समापन समारोह में संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवल रामानी ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए। जयपुर मुख्यालय की पुरुष एवं महिला कबड्डी टीमों को गोल्ड मेडल के साथ विशेष सम्मान दिया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर नमित मेहता, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त सी.आर. देवासी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। संभागीय आयुक्त ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि सिविल सेवकों द्वारा खेल के मैदान पर दिखाया गया अनुशासन, फिटनेस और टीम भावना प्रेरणादायक है। ऐसी प्रतियोगिताएं कर्मचारियों में सकारात्मक ऊर्जा और टीम स्पिरिट को मजबूत करती हैं। जयपुर मुख्यालय की इस शानदार जीत से पूरे सिविल सेवा परिवार में उत्साह का माहौल है। खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ खेल के मैदान में भी वे अव्वल रहने का दम रखते हैं।

पृष्ठ एक का शेष....

खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करना सरकार की.....

उन्होंने कहा कि किसान ऐसी फसलों को अपनाएं, जिनमें पानी कम लगे और मुनाफा भी अधिक हो। उन्होंने प्राकृतिक खेती पर भी बातचीत कर फसलों में सीमित खाद और गोबर खाद के उपयोग की सलाह दी।

किसान कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई कदम उठाएं हैं। दुग्ध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दिया जा रहा है। किसानों को 50 हजार करोड़ रुपये के ब्याजमुक्त अल्पकालीन फसली ऋण की सुविधा दी गई है। साथ ही, कृषि यंत्रों पर भी सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि में केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली 6 हजार रुपये की राशि के अतिरिक्त 3 हजार रुपये की सम्मान राशि राज्य सरकार की ओर से दी गई है।

फसल बीमा में पारदर्शिता, खाद की कमी नहीं होने देंगे-

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खराबे पर किसानों को मुआवजे की व्यवस्था दी गई है तथा इसमें किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्रदेश में खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी और प्रदेश में पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को हनुमानगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की निजी सुरक्षा की जिम्मेदारी महिला पुलिसकर्मियों ने संभाली। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, जिला प्रभारी व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, विधायक संजीव बेनीवाल, गुरवीर बराड़, गणेशराज बंसल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सवाई माधोपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई:

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास में तीन आरोपी 48 घंटे में गिरफ्तार

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में शांति, कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सवाई माधोपुर पुलिस लगातार सतर्कता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में पुलिस थाना कोतवाली सवाई माधोपुर ने सोशल मीडिया के माध्यम से सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने का प्रयास करने वाले तीन आरोपियों को महज 48 घंटे में गिरफ्तार कर प्रभावी कार्रवाई का परिचय दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 मार्च को तीन युवकों द्वारा अपने इंस्टाग्राम एवं व्हाट्सएप स्टेटस पर मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से अल्लाह तआला के प्रति आपत्तिजनक शब्दों एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए एक वीडियो वायरल किया गया था। जिससे शहर के सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक सद्भाव को प्रभावित करने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। इस संबंध में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा पुलिस थाना कोतवाली सवाई माधोपुर में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। मामला सामने आते ही कोतवाली पुलिस ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू की तथा विशेष टीम का गठन कर तकनीकी एवं स्थानीय स्तर पर गहन जांच की। जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह मीणा तथा पुलिस उपाधीक्षक शहर सवाई माधोपुर उदय सिंह मीणा के निकटतम सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक एवं थानाधिकारी कोतवाली मदनलाल मीणा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए वांछित आरोपियों सावन सिंह पुत्र हुकम चंद, करन सिंह पुत्र धर्म सिंह तथा हर्ष पुत्र लड्डू लाल, निवासी बिनोवा बस्ती को मात्र 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने आरोपी करन सिंह के कब्जे से वीडियो वायरल करने में प्रयुक्त एंड्रॉयड मोबाइल आईफोन भी जब्त किया है। पुलिस द्वारा की गई इस त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा सराहना की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों द्वारा जानबूझकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर शहर के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने तथा विभिन्न समुदायों के बीच नफरत फैलाने का प्रयास किया गया था। ऐसे कृत्य देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के लिए गंभीर चुनौती हैं, जिन पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी और सजगता के साथ करें तथा किसी भी धर्म, धर्मगुरु या समुदाय के विरुद्ध आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो या टिप्पणी साझा करने से बचें। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस सफल कार्रवाई में पुलिस थाना कोतवाली सवाई माधोपुर की टीम में थानाधिकारी मदनलाल मीणा, सहायक उपनिरीक्षक सोसाईलाल, कांस्टेबल रामभजन, मनीष, हेमंत एवं विकास की विशेष भूमिका रही।

डॉ. स्नेहबाला राजपूत को पीएच डी अवार्ड

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की शोधार्थी और माणिक्य लाल वर्मा टेक्सटाइल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज के वस्त्र रसायन विभाग में कार्यरत सहायक प्रोफेसर मिस स्नेहबाला राजपूत ने अपना शोध कार्य पूर्ण पीएच डी की उपाधि प्राप्त की है। इन्होंने वस्त्र रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देशन में Ultraviolet Fastness as an alternative to light Fastness in Textile Dyeing -A Quality Parameter विषय पर अपना शोध कार्य किया, जो कि टेक्निकल टेक्सटाइल में है। डॉ. गुप्ता के निर्देशन में यह चौथी पीएच डी है। कॉलेज के प्राचार्य और

डीआरसी चेयरमैन डॉ. अरविन्द वशिष्ठ ने उक्त शोध कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की।

ईद से पहले मस्जिद में हादसा, जयपुर फिरदौस मस्जिद की दीवार गिरने से मची अफरा-तफरी

-नमाज़ के दौरान गिरा दीवार का हिस्सा

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा उस समय हो गया जब नमाज़ के दौरान मस्जिद की बालकनी की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। यह घटना शहर के भट्टा बस्ती क्षेत्र में स्थित फिरदौस मस्जिद में हुई, जहां जुमे की नमाज़ के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। दीवार गिरने से अचानक अफरा-तफरी मच गई और कई नमाज़ी मलबे के नीचे दब गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को बाहर निकालने की कोशिश की और मौके पर हड़कंप मच गया।

मलबे में दबे लोग, कई घायल

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ जब नमाज़ समाप्त होने के बाद लोग मस्जिद से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान पहली मंजिल की गैलरी की लगभग चार से पांच फीट ऊंची दीवार अचानक टूटकर नीचे गिर गई। दीवार के गिरते ही ईंट-पत्थर नीचे खड़े लोगों पर आ गिरे, जिससे कई लोग घायल हो गए और कुछ समय के लिए वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में जारी घायलों का इलाज

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को पहले पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार करीब 15 से 20 लोग इस हादसे में घायल हुए हैं। इनमें से कई लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज अभी भी अस्पताल में चल रहा है।

नेताओं ने अस्पताल पहुंचकर जाना हाल

हादसे की सूचना मिलते ही विधायक बालमुकुंद आचार्य और विधायक अमीन कागजी मौके पर पहुंचे घायलों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से भी बातचीत कर घायलों के इलाज की जानकारी भर्ती लोगों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

विधानसभा में उठी मुआवजे की मांग

अमीन कागजी ने इस हादसे को लेकर विधानसभा में भी आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि इस घटना में घायल हुए लोगों को सरकार की ओर से उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि ईद का त्योहार करीब है और कई घायल ऐसे हैं जो अपने परिवार के मुखिया हैं। फिलहाल वे घायल होने के कारण काम नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है।

मस्जिद कमेटी करेगी घायलों की मदद

इस बीच मस्जिद कमेटी की ओर से भी घोषणा की गई है कि जो लोग इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं, उनकी सहायता की जाएगी। कमेटी ने कहा कि जरूरतमंद घायलों और उनके परिवारों को आर्थिक मदद देने का प्रयास किया जाएगा, ताकि इस मुश्किल समय में उन्हें सहारा मिल सके। वहीं प्रशासन ने भी मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

अब तक दो की मौत

सूचना के अनुसार एसएमएस अस्पताल में भर्ती घायलों में से दो की रविवार 8 मार्च 2026 तक मौत हो चुकी है। मौत की खबर सुनकर परिजनों और मुस्लिम समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई।

फिरदौस मस्जिद विवाद थमा नहीं, अब मक्का मस्जिद के मदरसा तालीमुल कुरान पर कब्जे का आरोप

-मक्का मस्जिद बंदा बस्ती के मदरसा तालीमुल कुरान पर कब्जे के आरोप

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के नहरी का नाका, बंदा बस्ती स्थित मक्का मस्जिद के पास बने मदरसा तालीमुल कुरान को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यह मदरसा इलाके के बच्चों को दीनी तालीम देने के लिए बनाया गया था, लेकिन पिछले कई वर्षों से यहां पढ़ाई लगभग बंद पड़ी है।

मदरसे की जमीन पर कब्जे के आरोप

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मदरसे के पास की जमीन पर पूर्व पार्षद के भाई लियाकत अली पठान और मोहसिन पठान (मोसिन टेंट वाला) ने कब्जा कर रखा है। बताया जाता है कि यहां टेंट का सामान रखा जाता है और उसी जगह का इस्तेमाल शादी-समारोह के लिए किया जा रहा है। हर शादी से करीब 7 हजार रुपये लिए जाने की बात सामने आ रही है।

आमदनी के हिसाब को लेकर उठे सवाल

इलाके के लोगों का कहना है कि अगर साल में औसतन करीब 30 शादियां होती हैं और एक शादी से लगभग 7 हजार रुपये लिए जाते हैं, तो एक साल में करीब 2 लाख 10 हजार रुपये की आमदनी बनती है। लोगों के अनुसार मदरसा बंद हुए करीब 10 साल से अधिक समय हो चुका है। ऐसे में अनुमान के अनुसार करीब 20 लाख रुपये से ज्यादा की रकम बनती है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि यह पैसा आखिर कहां गया और इसका हिसाब किसके पास है।

पहले भी उठी थी आवाज, हमला होने का आरोप

स्थानीय लोगों के अनुसार इससे पहले भी नाजिम नाम के युवक ने इस मुद्दे को उठाया था। आरोप है कि उस समय करीब 30–35 लोगों ने उसके घर पर हमला कर दिया था, जिसके बाद इलाके में डर का माहौल बन गया था।

मदरसे की कमेटी और प्रबंधन पर उठ रहे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले मदरसे की देखरेख मुफ्ती वाजिद साहब करते थे, लेकिन बाद में उन पर आरोप लगाकर उन्हें हटा दिया गया। इसके बाद अलग-अलग समय में बनी कमेटियों के कामकाज को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि मदरसे से जुड़ी आमदनी और प्रबंधन को लेकर पारदर्शिता की जरूरत है।

मदरसा बंद, इमारत भी जर्जर हालत में

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मस्जिद और मदरसे की जो तामीर पहले हुई थी, उसके बाद यहां कोई खास विकास कार्य नहीं हुआ। इमारत आज भी लगभग उसी हालत में है और कई जगह खिड़कियां व दरवाजे टूटे हुए बताए जा रहे हैं।

स्थानीय युवक ने उठाई आवाज

मामले को लेकर आवाज उठाने वाले स्थानीय युवक सद्दाम मसूरी ने बताया कि वह इसी इलाके का रहने वाला है और बचपन से ही मदरसा तालीमुल कुरान से जुड़ा रहा है। उसके अनुसार यह मदरसा इलाके के बच्चों को दीनी तालीम देने के लिए बनाया गया था और एक समय यहां अच्छी संख्या में बच्चे पढ़ते थे। सद्दाम के मुताबिक यहां लड़कों के लिए हिफ्ज़ की तालीम होती थी और हर साल करीब 8–9 लड़के हाफिज बनकर निकलते थे। वहीं लड़कियों के लिए भी अलग मदरसा चलता था, जहां हर साल करीब 5–7 लड़कियां आलिमा बनकर अपनी पढ़ाई पूरी करती थीं। सद्दाम का कहना है कि समय के साथ यह सारी गतिविधियां बंद हो गईं और मदरसा लगभग बंद पड़ा है। उनका आरोप है कि मदरसा बंद होने के बाद इलाके के माहौल पर भी असर पड़ा है। उनके मुताबिक अब मोहल्ले में नशे की समस्या बढ़ गई है और कई जगह गांजा और चरस जैसे नशे खुलेआम इस्तेमाल होते दिखाई देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में पुलिस की गश्त भी बहुत कम होती है। सद्दाम का कहना है कि अगर मदरसा फिर से शुरू हो और बच्चों को तालीम मिले तो इलाके का माहौल बेहतर हो सकता है।

चांदपोल में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन: विधायक गोपाल शर्मा बोले— 'बटेंगे तो कटेंगे'

-अमीन कागजी पर साधा निशाना

-होली स्नेह मिलन में उमड़ा कार्यकर्ताओं का सैलाब, 'योगी मॉडल' की गूंज और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सियासत गरमाई

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी के चांदपोल स्थित ऐतिहासिक गंगा माता मंदिर परिसर में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के 'चांदपोल मंडल' द्वारा होली स्नेह मिलन एवं कार्यकर्ता गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा और भाजपा विधायक प्रत्याशी चंद्रमोहन बटवाड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं के तीखे तेवरों ने शहर की सियासत में हलचल मचा दी है।

'कटोगे तो बटोगे' के नारे के साथ एकजुटता की अपील:-

विधायक गोपाल शर्मा ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चर्चित नारे को दोहराते हुए कहा, "हमें यह याद रखना होगा कि हम तभी तक सुरक्षित हैं जब तक हम एक हैं। जो योगी जी ने कहा है— बटेंगे तो कटेंगे, वह शाश्वत सत्य है।" शर्मा ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि विधानसभा में जब बजट और विकास की बात होती है, तो विपक्षी विधायकों की बोलती बंद हो जाती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "विधानसभा में न तो गोविंद सिंह डोटासरा दिखे, न अमीन कागजी और न ही रफीक खान नजर आए। इनमें सच सुनने का सामर्थ्य नहीं है।"

अमित गोयल की चेतावनी: 'मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर खिलेगा कमल':-

कार्यक्रम में भाजपा नेता अमित गोयल ने क्षेत्रीय विधायक अमीन कागजी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आने वाले समय में किशनपोल की जनता परिवर्तन के लिए तैयार है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इस बार एकजुट होकर चंद्रमोहन बटवाड़ा को भारी मतों से जिताना है। गोयल ने कहा, "हमारी पहचान हमारा विचार और वंदे मातरम है। भाजपा का कार्यकर्ता अपनी राष्ट्रवादी पहचान से जाना जाता है।" उन्होंने आगामी पार्षद चुनाव और विधानसभा मिशन को लेकर एकजुटता पर जोर दिया।

महिला दिवस पर 'आधी आबादी' की तारीफ, पर मंच से महिलाएं नदारद:-

दिलचस्प बात यह रही कि कार्यक्रम 8 मार्च यानी 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर आयोजित था। अमित गोयल ने मंच से महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनकी सादगी व प्रेरणा की तारीफ की। हालांकि, इस दौरान एक विरोधाभासी स्थिति भी देखने को मिली। भाषणों में महिलाओं के सम्मान की बातें तो हुईं, लेकिन मंच पर एक भी महिला पदाधिकारी मौजूद नहीं थी। इसे लेकर अब चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि क्या भाजपा में महिलाओं को केवल दर्शक दीर्घा तक ही सीमित रखा जा रहा है।

होली के रंगों के साथ चुनावी शंखनाद:-

गोष्ठी के दूसरे चरण में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। वित्त आयोग के चेयरमैन और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को आगामी निकाय चुनावों के लिए 'शक्ति प्रदर्शन' में बदल दिया। नेताओं ने साफ किया कि अगर कार्यकर्ता वार्ड स्तर पर एकजुट रहे, तो भाजपा की सीटें और वर्चस्व दोनों बढ़ेंगे।

शहीद स्मारक पर कम्युनिस्ट पार्टी का हल्लाबोल, सांसद अमराराम बोले- 'देश की संप्रभुता खतरे में'

-'जनसंघर्ष जत्था' लेकर सड़कों पर उतरे वामपंथी; बिजली निजीकरण, श्रम कानून और विदेशी व्यापार समझौतों के खिलाफ 24 मार्च को दिल्ली में होगी आक्रोश रैली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी के शहीद स्मारक पर शनिवार को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (CPI) की ओर से केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। 'जनसंघर्ष जत्था' के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व माकपा के दिग्गज नेता और सांसद अमराराम ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुँचाने का आरोप लगाया।

मजदूरों के हक और खेती को बचाने की लड़ाई: अमराराम:-

सांसद अमराराम ने 'रॉयल पत्रिका' से विशेष बातचीत में कहा कि देश के मजदूरों के लिए बने 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर चार संहिताओं में बदल दिया गया है, जिससे उनके अधिकार छिन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मनरेगा को समाप्त करने की साजिश रच रही है और बिजली संशोधन कानून 2025 के जरिए पूरे बिजली सेक्टर को अंबानी-अडानी जैसे बड़े उद्योगपतियों के हवाले करने की तैयारी है। उन्होंने कहा, "ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापार के नाम पर आई थी और 200 साल लूटा, आज फिर वही स्थिति पैदा की जा रही है।"

विदेशी समझौतों से बर्बाद होगी खेती और उद्योग:-

सांसद ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ किए जा रहे व्यापार समझौतों पर भी कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विदेशों से सामान बिना रोक-टोक भारत आएगा, तो यहाँ की खेती, उद्योग और रोजगार पूरी तरह नष्ट हो जाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि यह केवल किसी एक पार्टी का सवाल नहीं है, बल्कि देश के संविधान और आम जनता को बचाने की जंग है, जिसमें हर देशवासी को शामिल होना चाहिए।

ईरान-इजराइल युद्ध और विदेश नीति पर उठाए सवाल:-

अमराराम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इजराइल-ईरान युद्ध से ठीक पहले प्रधानमंत्री का इजराइल दौरा कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज भारत की विदेश नीति और व्यापारिक फैसले ट्रंप और अमेरिका के दबाव में लिए जा रहे हैं। सांसद ने कहा, "ईरान पर हमले और इजराइल की गुंडागर्दी से पूरी दुनिया को नुकसान होगा। भारत की संप्रभुता को अमेरिकन साम्राज्यवाद के आगे गिरवी रखा जा रहा है।"

24 मार्च को दिल्ली कूच का ऐलान:-

प्रदर्शन के दौरान घोषणा की गई कि यह 'जनसंघर्ष जत्था' गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगा। इसके समापन पर 24 मार्च को दिल्ली में एक विशाल 'आक्रोश रैली' आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर के किसान और मजदूर अपनी मांगों को लेकर सरकार को घेरेंगे। अमराराम ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि या तो सरकार अपनी जनविरोधी नीतियां बदले, वरना जनता सरकार को बदलने का काम करेगी।

ताजियती इजलास में शोक और एकजुटता का संदेश

-शिया-सुन्नी धर्मगुरु एक मंच पर, इजरायल-अमेरिका के खिलाफ जताई नाराज़गी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में शुक्रवार को राजस्थान मुस्लिम फोरम की ओर से एमडी रोड स्थित मुस्लिम मुसाफिर खाना में एक ताजियती (शोक) प्रार्थना सभा आयोजित की गई। सभा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर शोक व्यक्त किया और वैश्विक घटनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने ईरान से जुड़ी हालिया घटनाओं और हमलों में मासूम बच्चियों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। मंच से वक्ताओं ने बताया कि इन घटनाओं को लेकर मुस्लिम समाज में गहरी पीड़ा और आक्रोश है। सभा के दौरान शिया और सुन्नी धर्मगुरु एक साथ मंच पर नजर आए, जिससे आपसी एकता का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने इसराइल और United States के खिलाफ नाराज़गी जताते हुए नारेबाजी भी की। राजस्थान मुस्लिम फोरम के हाफिज मंजूर अहमद ने कहा कि यह ताजियती इजलास ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनई से जुड़ी खबरों और हमलों में मारे गए बच्चों की याद में आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस्लामी मान्यता के अनुसार शहादत अंत नहीं बल्कि एक नई जिंदगी की शुरुआत मानी जाती है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अगर किसी नेता या समाज के लोगों की शहादत होती है तो उससे संघर्ष और मजबूत होता है। साथ ही यह भी कहा गया कि मौजूदा संघर्ष को कुछ लोग वर्चस्व की लड़ाई के रूप में देखते हैं, जबकि उनके अनुसार यह मानवता और न्याय की लड़ाई है। सभा में वक्ताओं ने दुनिया में शांति, इंसाफ और मानवता की रक्षा के लिए दुआ की। कार्यक्रम के अंत में हमलों में मारे गए बच्चों और पीड़ित परिवारों के लिए विशेष प्रार्थना भी की गई।

समर्पण संस्था का 16 वाँ विशाल रक्तदान शिविर 15 मार्च को

-27 रक्तदाता प्रेरक नियुक्त...

-बैठक में संस्था पदाधिकारियों ने किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा 16वाँ विशाल रक्तदान शिविर रविवार, 15 मार्च 2026 को प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक मल्टी परपज हॉल, रावत पब्लिक स्कूल, सेक्टर-17, हल्दीघाटी मार्ग, मेवाड़ अपार्टमेंट के सामने, प्रताप नगर, सांगानेर में लगाया जाएगा। संस्था द्वारा शिविर में रक्त एकत्रित करने के लिए सवाई मानसिंह चिकित्सालय ब्लड बैंक, राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक, तथा स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक की चिकित्सक टीमों को आमन्त्रित किया गया है।

समर्पण संस्था गत 16 वर्षों से निरंतर मानव कल्याण, शिक्षा सहायता, रक्तदान, नेत्रदान, देहदान जागरूकता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है। संस्था द्वारा अब तक 15 रक्तदान शिविरों में 1455 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया जा चुका है। संस्था के प्रयासों से हजारों जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिला है तथा समाज में रक्तदान की भावना को मजबूत किया गया है। इस 16वें विशाल रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए संस्था कार्यलय में सदस्यों की मीटिंग का आयोजन किया गया। इस शिविर को सफल बनाने के लिए संस्था द्वारा 27 रक्तदाता प्रेरक (मोटिवेटर) नियुक्त किए गए हैं। ये प्रेरक अपने स्तर पर अधिक से अधिक स्वयंसेवकों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेंगे। संस्था का उद्देश्य इस शिविर में पिछले रिकॉर्ड से अधिक यूनिट रक्त एकत्र करना है ताकि जयपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में रक्त की कमी को पूरा किया जा सके। शिविर में योग्य रक्तदाताओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी। रक्तदान करने वाले प्रत्येक स्वयंसेवक को प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनकी इस नेक कार्य के लिए सम्मान का प्रतीक होगा। समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी जयपुरवासियों, युवाओं, छात्रों, कर्मचारियों, व्यवसायियों एवं समाजसेवियों से अपील की है कि वे इस नेक कार्य में भाग लेकर रक्तदान करें और किसी एक जीवन को बचाने में सहयोग प्रदान करें।रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो बिना किसी खर्च के किसी की जान बचा सकता है। तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सेवानिवृत्त आईआरएस सी. एल. वर्मा, सचिव कमल नयन खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष हीरालाल बैरवा, श्रीमती नीरू शर्मा, मोहन मेहरा, राम स्वरूप महावर सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

संघर्ष और सशक्तिकरण के अनुभव साझा कर महिला कामगारों ने मनाया 115वां अंतर्राष्टीय महिला दिवस

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मेहनतकश कल्याण एवं संदर्भ केंद्र संस्था के संयुक्त तत्वावधान में गुलाब उद्यान, बनीपार्क में असंगठित महिला कामगारों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संघर्षशील कामगार महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानियों को साझा करना था। कार्यक्रम में महिलाओं और बेटियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने समूह बनाकर अपने जीवन में बदलाव लाया और अपने परिवार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान महिलाओं ने अपने संघर्षों की प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्था की सचिव मेवा भारती ने कहा कि समाज में लंबे समय तक महिलाओं के श्रम को उचित मूल्य नहीं मिला। चाहे घर-परिवार का कार्य हो या नियोक्ता के घर में किया जाने वाला श्रम, महिलाओं को अक्सर कमतर आंका गया। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं ने संगठित होकर समूह बनाए और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई, तब उनके अधिकारों में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिला। उन्होंने बताया कि अब कई महिलाओं को काम के स्थानों पर मासिक चार छुट्टियां मिलने लगी हैं और उनके वेतन में भी वृद्धि हुई है। साथ ही सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन लागू किए जाने से भी महिलाओं को लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पल्लवी शर्मा ने महिलाओं को विभिन्न विधिक योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्राधिकरण श्रमिकों, कमजोर वर्गों और महिलाओं को निःशुल्क कानूनी सहायता और न्याय उपलब्ध कराने का कार्य करता है। इस अवसर पर डॉ. प्रीतम पाल ने महिलाओं को उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कामगार महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन रमावती ने किया।

नौ साल के मोहम्मद सुफियान ने रखा पहला रोज़ा, लोगों ने दीं दुआएं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रहमतों और बरकतों का पाक महीना माह-ए-रमज़ान शुरू होते ही बड़ों के साथ-साथ बच्चों में भी खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। ख्वाजा नगर अमृतपुरी घाट-गेट क्षेत्र में एक नौ साल के बच्चे ने पहला रोज़ा रखकर अल्लाह तआला की इबादत की। ख्वाजा नगर अमृतपुरी के वार्ड नंबर 88 में रहने वाले मतीनुद्दीन के नौ वर्षीय पुत्र मोहम्मद सुफियान ने अपने माता-पिता के साथ रमज़ान का पहला रोज़ा रखा। इस्लाम धर्म के अनुसार नाबालिग बच्चों पर रोज़ा फर्ज़ नहीं होता, फिर भी सुफियान ने खुद रोज़ा रखने की इच्छा जताई। मोहम्मद सुफियान ने जब रोज़ा रखने की बात अपने माता-पिता से कही तो परिवार ने उसका हौसला बढ़ाया। सुफियान ने पूरे उत्साह के साथ रोज़ा रखा और परिवार के साथ इफ्तार किया। इस मौके पर दादा शमशुद्दीन, मोइनुद्दीन, मोहम्मद जुनैद, मोहम्मद फुरकान, अब्दुल जब्बार (अजमेर वाले) सहित पूरे परिवार के लोगों ने सुफियान को मुबारकबाद दी और उसके लिए दुआएं की।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

अच्छे नेता ही देश का विकास कर सकते हैं

किसी देश का तेजी से विकास तब ही हो सकता है जब उसके नागरिक सभ्य, नियम कायदों से चलने वाले हों, उसके नेता अपने स्वार्थ को छोड़कर देश को मजबूत बनाने की सोचते हों, जहां नेताओं में सामाजिक एवं नैतिकता के उच्च कोटि के गुण मिलते हों, समाज में बच्चों, बड़ों एवं नेताओं द्वारा महिलाओं को भरपूर सम्मान दिया जाता हो। ऐसे देशों में युवा पीढ़ी देश का भविष्य बन जाती है। वर्तमान में कई देशों में खुदगर्ज नेता हो गए हैं जिनका मकसद मौज मस्ती करना, अपना और अपने परिवारों का विकास करना, पैसा कमाना एवं देश को ऑपरेट करने के लिए सभी तरह के अधिकार एवं शक्ति अपने हाथों में समेट लेना है। ज्यादातर देशों में नेता सत्ता संभालते ही तानाशाह बनने की कोशिश शुरू कर देते हैं। ऐसे नेताओं के रहते मज़बूत देश भी कमजोर होने लगते हैं। उदाहरण के तौर पर अमेरिका को लिया जा सकता है। अमेरिका में बड़े-बड़े महान नेता हुए जिन्होंने अमेरिका को विकसित बनाया। अमेरिकी जनता को नियम कायदों से चलना सिखाया। देश में शिक्षा का ऐसा सिस्टम बनाया कि अमेरिका में डॉक्टर, इंजीनियर और साइंटिस्ट बड़ी संख्या में पैदा हुए, जिनके भरोसे अमेरिका विश्व का शक्तिशाली देश बन गया । अमेरिकी नेताओं की नीतियों के चलते विश्व के बुद्धिमान लोग अमेरिका जाकर बसने लगे और वहीं से कारोबार करने लगे । यही कारण है कि अमेरिका दिनों-दिन धनवान देश बनता चला गया। अमेरिका में सभी धर्म के लोगों को समान अवसर मिले । यही कारण है कि सभी धर्मो के लोगों ने अमेरिका को महान बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। अमेरिका विश्व के देशों का अघोषित रूप से लीडर बन गया। विश्व में हर गतिविधि अमेरिका की इच्छा के अनुसार चलने लगी। लेकिन 25 - 30 वर्षों से अमेरिका के नेताओं का चरित्र गिरने लगा। अमेरिकी नेता घमंडी, सनकी एवं अय्याश हो गए। एपिस्टीन फाइल ने अमेरिकी नेताओं, बिजनेसमैन एवं प्रसिद्ध लोगों की पोल खोलकर रखदी है। जो अमेरिका कभी किसी देश से युद्ध नहीं हारता था और विश्व में उसकी सभी देश मानते थे, लेकिन वर्तमान में अमेरिकी नेताओं की कारगुजारियों के चलते कोई भी देश उसकी बात नहीं मानता है और ना ही कोई देश डरता है। अमेरिकी नेता किसी भी देश से दोस्ती और दुश्मनी का अन्तर भी नहीं समझते हैं। वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिनका एपिस्टीन फाईल में नाम और वीडियो वायरल हो रहे हैं, के व्यवहार से जाना जा सकता है कि ट्रंप इंसान जैसा व्यवहार नहीं करते हैं, ट्रंप पर नाबालिग बच्चियों के साथ सेक्स करने के आरोप हैं। ट्रंप आए दिन दूसरे देशों के राष्ट्रध्यक्षों को धमकी देते रहते हैं । भारत एक संप्रभू देश है, फिर भी ट्रंप ने भारत और भारत के प्रधानमंत्री को कई बार बेइज्जत किया । धमकियों के चलते और अपनी एपिस्टीन फाइल में बंद कारगुजारियों को छुपाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर आक्रमण के आदेश दे दिए । ईरान झुकने के लिए तैयार नहीं है । अब अमेरिका को मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है । अमेरिका को ट्रंप बर्बाद कर रहे हैं । अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का काफी विरोध हो रहा है, लोग विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन करने लगे हैं । दूसरी तरफ ट्रंप के कहने पर ईरान पर आक्रमण जारी है, जिससे बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों की मौत हो रही है । विश्व में कई और ऐसे नेता हैं जिनके कारण उनके अपने देश बर्बाद और आर्थिक रूप से कमजोर हो रहे हैं । ऐसे नेता अपने देश में ही धर्म, जाति एवं समुदाय के नाम पर जनता को लड़ाकर अपने स्वार्थ पूरे करते हैं और सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं । ऐसे नेता अपने देश में ही प्रजातंत्र को समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं और तानाशाही को बढ़ावा दिया जा रहा है । कुछ देशों के नेता ऐसे भी हैं, जो अपने-अपने देश को शक्तिशाली बना रहे हैं ।

मुसलमानों में ज़कात क्या है?

ज़कात अरबी लफ्ज़ से (अरबी, "पाक या शुद्धि करने वाला", और ज़कात अल-माल, "सम्पत्ती पर ज़कात ", या "ज़काह") से आया है, जिसका अर्थ है शुद्ध करना। ज़कात को सांसारिक रुप से कमाई गई अपनी आय और धन को शुद्ध करने का एक तरीका माना जाता है। एक लेखक के अनुसार "जिस तरह से स्नान शरीर को शुद्ध करता है और नमाज़ आत्मा को (इस्लाम में) शुद्ध करती है, उसी तरह ज़कात संपत्ति को शुद्ध करती है और अल्लाह को प्रसन्न करती है।"

ज़कात इस्लाम के पाँच स्तंभों में से एक है और इसका अर्थ है "शुद्धिकरण।"

ज़कात का इतिहास नमाज़ के इतिहास जैसा ही है। क़ुरआन मजीद से यह स्पष्ट है कि नमाज़ की तरह ज़कात भी पिछले पैगम्बरों की उम्मतों में भी हमेशा से मौजूद रही है। इब्राहीम अलैहिस्सलाम की उम्मत पर भी थी। सूरह अल-मआरिज (70:25) । पैगम्बर इस्माइल अलैहिस्सलाम की उम्मत में ज़कात: [सूरा मरियम 19:54-55] पैगम्बर इसहाक अलैहिस्सलाम और पैगम्बर याकूब अलैहिस्सलाम की संतान को ज़कात [सूरा अल-अंबिया 21:73] पैगम्बर ईसा अलैहिस्सलाम के वक़्त में ज़कात [सूरा मरयम 19:30-31] होने का हवाला मौजूद है। इस तरह ज़कात अदा करने का हुक्म हुज़ूर पाक सल्लल्लाहो अलैहिवसल्लम पर क़ुरान पाक नाज़िल होने से पहले भी उम्मतों पर होना पाया जाता है। जब हम पैगंबर (सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम) के समय मक्का में, ज़कात पर आयतें आम तौर पर स्वैच्छिक भुगतान से संबंधित थीं, और यह व्यक्ति के विश्वास और उसके विवेक पर छोड़ दिया गया था कि वह कितना देना है और किसे देना है। सूरा अल-मआरिज (70:24-25) में सलाह दी गई है: "और जिनके धन में हक़ माना जाता है। भिखारियों और बेसहारों के लिए।" मदीना में हिजरत के बाद, पैगम्बरसाहब (सल्लल्लाहू अलैहिवसल्लम) 622 ईस्वी में मदीना गए और उन्होंने इस्लामिक राष्ट्र व्यवस्था की शुरुआत की, तब उस देश में ज़कात प्रणाली भी शुरू की गई थी। मदीना आगमन के लगभग अठारह महीने बाद, ज़कात मुसलमानों के लिए एक फ़र्ज़ या दायित्व बन गया। मदीना की आयतों में ज़कात के भुगतान का स्पष्ट निर्देश दिया गया था और उस समय से पैगम्बर (सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम) ज़कात कर्मचारियों को भेजकर ज़कात इकट्ठा करके उसे वितरित करते थे। यानी इस्लामिक राष्ट्र व्यवस्था स्थापित होने के बाद ज़कात एकत्रित करने वाले कर्मचारियों से ज़कात एकत्रित कराई जाती थी। कुरान मजीद में ज़कात योग्य धन की परिभाषा नहीं दी गई है, कुछ मामलों को छोड़कर, केवल सामान्य सिद्धांत दिए गए हैं, विवरण के बिना, जैसे:सोना और चाँदी : "और कुछ लोग ऐसे भी हैं जो सोना और चाँदी जमा करते हैं और उसे अल्लाह की राह में खर्च नहीं करते। उनके लिए बड़ी कठोर सजा की घोषणा कर दो।" (सूरा अल-तौबा 9:34) फसलें और फल: "उनके फलों को उनके मौसम में खाओ, लेकिन जिस दिन फ़सल कट जाए उस दिन हक़ अदा करो।" (सूरह अल-अनआम 6:141) व्यापार की कमाई: "ऐ ईमान वालों, अपनी कमाई में से दान करो।" (सूरह अल-बक़रा 2:267) धरती के नीचे से धन: "और जो कुछ हमने तुम्हारे लिए धरती से पैदा किया है।" (सूरह अल-बक़रा 2:267) इसके अलावा, कुरान मजीद में सामान्य रूप से ज़कात का उल्लेख किया गया है और शब्द अमवाल (अर्थात संपत्ति, धन या कमाई) का प्रयोग इस आयत में किया गया है, "उनके धन में से सदका निकालो, जिससे वे पवित्र और पवित्र हो जाएं।" (सूरा अल-तौबा 9:103) और, "उनके धन और सम्पत्ति में गरीबों, भिखारियों और वंचितों का अधिकार है।" (सूरा अल-ज़हरियत 51:19) इस्लाम में सबसे भरोसेमंद हदीस संग्रहों में से प्रत्येक में ज़कात को समर्पित एक किताब है। सहीह बुखारी की किताब , सहीह मुस्लिम की किताब और सुनान अबू-दाऊद की किताब ज़कात के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करती है, जिसमें यह भी शामिल है कि किसे, कितना, कब और क्या देना चाहिए। हदीसें ज़कात न देने वालों को नसीहत करती हैं। हदीस के अनुसार, ज़कात देने से इनकार करना या ज़कात देने वालों का मज़ाक उड़ाना पाखंड की निशानी है और अल्लाह तआला लोगों की प्रार्थनाओं को स्वीकार नहीं करेंगे और सज़ा का भी वर्णन किया गया है जो ज़कात देने से इनकार करते हैं या विफल रहते हैं। क़यामत के दिन , जिन्होंने ज़कात नहीं दी, उन्हें जवाब देह ठहराया जाएगा और दंडित किया जाएगा। हदीस में राज्य द्वारा अधिकृत ज़कात संग्रह पर सलाह दी गई है। संग्रहकर्ताओं को बकाया राशि से अधिक नहीं लेना चाहिए, और जो लोग ज़कात दे रहे हैं, उनसे कहा जाता है कि वे भुगतान से न बचें।

ज़कात कुरान में उल्लिखित आठ श्रेणियों में वितरित की जाती है

"ख़ैरात-कर सिर्फ़ ग़रीबों और ज़रूरतमंदों के लिए है, उन लोगों के लिए जो इसे देने के लिए नियुक्त किए गए हैं, उन लोगों के लिए जिनके दिल 'ईमान' की ओर आकर्षित हैं, गुलामों को 'मुक्त' करने के लिए, क़र्ज़दारों के लिए, अल्लाह के मार्ग के लिए, और 'ज़रूरतमंद' यात्रियों के लिए। यह अल्लाह की ओर से एक दायित्व है। और अल्लाह सर्वज्ञ, अत्यन्त तत्वदर्शी है।" [सूरह अल तौबा 60]

ज़कात से जुड़ी कुछ खास बातें:-

ज़कात साल भर दी जा सकती है, लेकिन रमज़ान के दौरान इसका विशेष महत्व होता है। ज़कात, गरीबों, विधवा महिलाओं, अनाथ बच्चों या किसी बीमार व कमज़ोर व्यक्ति को दी जाती है। ज़कात से जुड़ी गणना के लिए, सोने और चांदी का निसाब तय किया गया है। ज़कात से जुड़ी गणना के लिए, मवेशियों का निसाब भी तय किया गया है। ज़कात से जुड़ी गणना के लिए, मुर्गी पालन और मछली पालन का निसाब भी तय किया गया है। ज़कात से जुड़ी गणना के लिए, कारोबार की कुल संपत्ति का भी हिसाब लगाया जाता है। ज़कात से जुड़ी गणना के लिए, बैंक से लिए गए लोन की किस्तों का भी हिसाब लगाया जाता है। जज़िया और ज़कात, दोनों ही इस्लाम से जुड़े कर हैं। जज़िया गैर-मुस्लिमों पर लगाया जाने वाला कर था, जबकि ज़कात मुसलमानों को देना होता है। जजिया कर गैर-मुसलमानों पर लगाया जाता था ताकि धार्मिक ज़कात कर न चुकाने वालों से आय का स्रोत बनाया जा सके। इससे मुसलमानों को अपने अधीन रहने वाले गैर- मुस्लिमों को सुरक्षा भी मिलती थी।

ज़कात निरीक्षक

10 हिजरी (631 ई.) पैगम्बर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने यमन में मुआज़ इब्न जबल रा को गवर्नर बनाकर भेजा। उनका एक आदेश था कि वहां के अमीरों से ज़कात इकट्ठा करके गरीबों में बांट दिया जाए। यह आदेश स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि ज़कात मुख्यतः स्थानीय प्रकृति की है और इसे अपने क्षेत्र के भीतर ही एकत्र और वितरित किया जाना चाहिए।

उमर इब्न अलखत्ताब का शासनकाल

13 हिजरी (634 ई.) पैगम्बर (स.) और उनके प्रथम उत्तराधिकारी अबू बक्र (र.अ.) की मृत्यु के बाद भी, मुआज़ (र.अ.) यमन के गवर्नर बने रहे और यमन में ज़कात के संग्रह और वितरण के लिए जिम्मेदार थे।

लेकिन उस साल वह उमर (र.अ.) के साथ एक तिहाई पैसे लेकर मदीना लौट आये। उस समय उमर (र.अ.) ने उसे तुच्छ समझा और कहा कि उसे कर वसूलने के लिए नहीं भेजा गया है। ज़कात गरीबों में बाँट दी जानी थी। मुआज़ (र.अ.) ने जवाब दिया कि उसने ऐसा किया था, लेकिन उसे कोई गरीब या ज़रूरतमंद व्यक्ति नहीं मिला। 16 हिजरी (637 ई.) तीसरे वर्ष तो वह 100% ज़कात लेकर वापस आ गये। यमन, जो दुर्भाग्य से दुनिया का सबसे गरीब देश था, में गरीबी कुछ ही वर्षों में पूरी तरह से खत्म हो गई।

ज़कात की ताकत!

अगर मुसलमान सही सही ज़कात अदा करे और वह ज़कात सही और माकूल तरीक़े से सही जगह एकत्रित की जाए, इस्लामिक तरीके से वितरित की जाए तो यकीनन यमन की तरह पूरी दुनिया में कोई गरीब मुसलमान ना रहे।

संकलनकर्ता :- फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवानिवृत्त

17 रमज़ान: यौम-ए-बद्र (यौम-उल-फ़ुरक़ान)

इस्लामी इतिहास का वह दिन जब सत्य और असत्य के बीच निर्णायक फ़ैसला हुआ

इस्लामी इतिहास में 17 रमज़ान 2 हिजरी का दिन अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक दिन है। इसी दिन जंग-ए-बद्र का महान युद्ध हुआ जिसे स्वयं क़ुरआन-ए-करीम ने "यौम-उल-फ़ुरक़ान" अर्थात सत्य और असत्य के बीच फ़ैसले का दिन कहा है। यह केवल एक युद्ध नहीं था बल्कि इस्लामी आंदोलन के इतिहास में वह निर्णायक मोड़ था जिसने यह सिद्ध कर दिया कि जब एक छोटा सा समूह भी ईमान, धैर्य और अल्लाह पर भरोसे के साथ खड़ा होता है तो वह बड़ी से बड़ी शक्ति को भी पराजित कर सकता है। क़ुरआन इस ऐतिहासिक घटना की ओर संकेत करते हुए कहता है: "वह दिन जब दो सेनाएँ आमने-सामने हुईं, वही दिन सत्य और असत्य के बीच फ़ैसले का दिन था।"

जंग-ए-बद्र का ऐतिहासिक परिचय

जंग-ए-बद्र इस्लाम की पहली निर्णायक सैन्य मुठभेड़ थी जो मदीना के मुसलमानों और मक्का के क़ुरैश के बीच हुई। इस युद्ध में मुसलमानों की संख्या लगभग 313 थी जबकि क़ुरैश की सेना लगभग 1000 सैनिकों पर आधारित थी। संसाधनों के स्तर पर भी मुसलमान अत्यंत सीमित थे, लेकिन उनका सबसे बड़ा सहारा अल्लाह पर भरोसा और सच्चा ईमान था।

जंग-ए-बद्र की पृष्ठभूमि

जब नबी मुहम्मद स.अ. ने मक्का में इस्लाम का संदेश दिया तो क़ुरैश के सरदारों ने उसका तीव्र विरोध किया। मुसलमानों पर अत्याचार किए गए, उन्हें सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा। अंततः मुसलमानों को अपने घर-बार छोड़कर मदीना की ओर हिजरत करनी पड़ी। मदीना पहुँचने के बाद नबी स.अ. ने समाज में शांति और व्यवस्था स्थापित करने के लिए विभिन्न कबीलों और समुदायों के साथ समझौते किए जिन्हें इतिहास में "मिसाक-ए-मदीना" कहा जाता है।

इस समझौते का उद्देश्य था:

मदीना में शांति और सुरक्षा स्थापित करना
विभिन्न समुदायों के बीच सहयोग बढ़ाना
बाहरी आक्रमण से सामूहिक रक्षा करना

लेकिन मक्का के क़ुरैश मुसलमानों के बढ़ते प्रभाव से चिंतित थे और उन्होंने इस्लाम को समाप्त करने के लिए युद्ध की तैयारी शुरू कर दी।

जंग-ए-बद्र का उद्देश्य

मुसलमानों का उद्देश्य युद्ध करना नहीं था बल्कि:

अत्याचार का प्रतिरोध
धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा
इस्लामी समाज की सुरक्षा
न्याय और सत्य की स्थापना

इसलिए जंग-ए-बद्र वास्तव में रक्षा का युद्ध था।

युद्ध से पहले की रणनीति

नबी स.अ. ने युद्ध से पहले अत्यंत सूझबूझ और रणनीति का परिचय दिया।

उन्होंने:

सेना को संगठित किया
बद्र के कुओं के पास मोर्चा लिया
पानी के स्रोतों पर नियंत्रण स्थापित किया यह रणनीति युद्ध की दिशा तय करने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई। दोनों सेनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण पहलू मुसलमान क़ुरैश सैनिक संख्या 313 लगभग 1000 घोड़े 2 लगभग 100 ऊँट लगभग 70 लगभग 700 हथियार सीमित अत्यधिक यह स्थिति बताती है कि यह विजय केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि ईमान और अल्लाह की सहायता से प्राप्त हुई।

क़ुरआन कहता है:

"निश्चय ही अल्लाह ने बद्र में तुम्हारी सहायता की जबकि तुम बहुत कमज़ोर थे।"

युद्ध से पहले नबी स.अ. की दुआ

जब युद्ध प्रारंभ होने वाला था तो नबी स.अ. ने पूरी विनम्रता के साथ अल्लाह से दुआ की।

हदीस में आता है:

"ऐ अल्लाह ! यदि मुसलमानों का यह छोटा समूह नष्ट हो गया तो धरती पर तेरी इबादत करने वाला कोई न रहेगा।"

सहाबा-ए-किराम का उत्साह और समर्पण

जंग-ए-बद्र में सहाबा-ए-किराम ने जो उत्साह और समर्पण दिखाया वह इतिहास में अमर है।

हज़रत मिक़दाद (रज़ि.) का जोशीला बयान

उन्होंने कहा: "ऐ अल्लाह के रसूल ! हम वह नहीं कहेंगे जो बनी इस्राईल ने कहा था। बल्कि हम आपके साथ लड़ेंगे।"

हज़रत सअद बिन मुआज़ (रज़ि.) का ऐतिहासिक वचन

उन्होंने कहा: "यदि आप हमें समुद्र में उतरने का आदेश दें तो हम बिना हिचकिचाए उतर जाएंगे।"

युवाओं की बहादुरी

दो युवा सहाबा मु'आज़ और मु'आव्विज़ ने इस्लाम के बड़े शत्रु अबू जहल को मार गिराया।

यह घटना दर्शाती है कि इस्लाम के प्रारंभिक दौर में युवाओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फरिश्तों की सहायता

क़ुरआन बताता है कि इस युद्ध में फरिश्तों ने मुसलमानों की सहायता की। "जब तुम अपने रब से सहायता मांग रहे थे तो उसने उत्तर दिया कि मैं तुम्हारी सहायता के लिए हज़ार फरिश्ते भेजूँगा।"

जंग-ए-बद्र के महान परिणाम

इस युद्ध के बाद इस्लामी इतिहास में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए:

मुसलमानों का आत्म-विश्वास बढ़ा
मदीना में इस्लामी राज्य मजबूत हुआ
क़ुरैश का अभिमान टूट गया
इस्लामी आंदोलन को नई शक्ति मिली

जंग-ए-बद्र से मिलने वाले सबक

जंग-ए-बद्र हमें कई महत्वपूर्ण शिक्षाएँ देती है:

ईमान सबसे बड़ी शक्ति है
कठिन परिस्थितियों में धैर्य आवश्यक है
संगठन और नेतृत्व सफलता की कुंजी हैं
अल्लाह पर भरोसा करने वालों को अंततः सफलता मिलती है

17 रमज़ान का दिन इस्लामी इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। जंग-ए-बद्र ने यह सिद्ध कर दिया कि जब कोई समुदाय सत्य और न्याय के लिए खड़ा होता है और अल्लाह पर भरोसा करता है तो उसे सफलता अवश्य मिलती है। इसी कारण यह दिन "यौम-उल-फ़ुरक़ान" कहलाता है — वह दिन जब सत्य और असत्य के बीच निर्णायक फ़ैसला हो गया।

इलाफ रनीम अफ़नान
Medicine Scientist
Delhi

रोज़ा क़िस्त तीन

हद यह है कि शहरों में तो ईद के दिन बदकारी और शराबनोशी और क़िमारबाज़ी (जुआ) तक होती है। और कुछ ज़ालिम तो मैंने ऐसे भी देखें हैं जो रमज़ान के ज़माने में दिन में रोज़ा रखते हैं और रात को शराब पीते हैं और ज़िना करते हैं। आम मुसलमान खुदा के फ़ज़्ल से इतने बिगड़े हुए तो नहीं हैं, मगर रमज़ान ख़त्म होने के बाद आपमें से कितने ऐसे हैं जिनके अन्दर ईद के दूसरे दिन भी तक़वा और परहेज़गारी का कोई असर बाक़ी रह जाता हो? खुदा के क़ानूनों की ख़िलाफ़वर्जी में कौन-सी कसर उठा रखी जाती है? नेक कामों में कितना हिस्सा लिया जाता है और नफ़्सानियत में क्या कमी आ जाती है? इबादत की ग़लत सोच का नतीजा सोचिए और ग़ौर कीजिए कि इसकी वजह आख़िर क्या है? मैं आपको यक़ीन दिलाता हूँ, इसकी वजह सिर्फ यह है कि आपके दिमाग़ में इबादत का मफ़हूम और मतलब ही ग़लत हो गया है। आप यह समझते हैं कि सहर से लेकर मग़रिब तक कुछ न खाने-पीने का नाम रोज़ा है और बस यही इबादत है। इसी लिए रोज़े की तो आप पूरी हिफ़ाज़त करते हैं; खुदा का ख़ौफ़ आपके दिल में इस क़दर होता है कि जिस चीज़ में रोज़ा टूटने का ज़रा-सा भी अंदेशा हो उससे भी आप बचते हैं। अगर जान पर भी बन जाए तब भी रोज़ा तोड़ने में झिझक होती है। लेकिन आप यह नहीं जानते कि भूखा-प्यासा रहना अस्ल इबादत नहीं, बल्कि इबादत की सूरत है। और यह सूरत तय करने का मक़सद यह है कि आपके अन्दर खुदा का ख़ौफ़ और खुदा की मुहब्बत पैदा हो और आपके अन्दर इतनी ताक़त पैदा हो जाए कि जिस चीज़ में दुनिया भर के फ़ायदे हों, मगर खुदा नाराज़ होता हो, उससे अपने नफ़्स पर जब्र करके बच सकें और जिस चीज़ में हर तरह के ख़तरे और नुक़सान हों, मगर खुदा उससे खुश होता हो, उसपर आप अपने नफ़्स को मजबूर करके आमादा (राज़ी) कर सकें। यह ताक़त इसी तरह पैदा हो सकती थी कि आप रोज़े के मक़सद को समझते और महीने भर तक आपने खुदा के ख़ौफ़ और खुदा की मुहब्बत में अपने नफ़्स को ख़ाहिशों से रोकने और खुदा की रिज़ा के मुताबिक़ चलाने की जो मश्क़ की है, उससे काम लेते। मगर आप जो रमज़ान के बाद ही इस मश्क़ को और उन खूबियों को, जो इस मश्क़ से पैदा होती हैं, इस तरह निकाल फेंकते हैं जैसे खाना खाने के बाद कोई शख़्स हलक़ में उँगली डालकर उल्टी कर दे, बल्कि आपमें से कुछ लोग तो रोज़ा खोलने के बाद ही दिन-भर की परहेज़गारी को उगल देते हैं। फिर आप ही बताइए कि रमज़ान और उसके रोज़े कोई जादू तो नहीं हैं कि बस उसकी ज़ाहिरी शक्ल पूरी कर देने से आपको वह ताक़त हासिल हो जाए जो हक़ीक़त में रोज़े से हासिल होनी चाहिए। जिस तरह रोटी से जिस्मानी ताक़त उस वक़्त तक नहीं हासिल हो सकती जब तक कि वह मेदे में जाकर हज़म न हो और खून बनकर जिस्म की रग-रग में न पहुँच जाए, उसी तरह रोज़े से भी रूहानी ताक़त उस वक़्त तक हासिल नहीं होती जब तक कि आदमी रोज़े के मक़सद को पूरी तरह समझे नहीं और अपने दिल व दिमाग़ के अन्दर उसको उतरने और ख़याल, नीयत, इरादे और अमल सबपर छा जाने का मौक़ा न दे।रोज़ा--परहेज़गार बनने का ज़रिआ यही वजह है कि अल्लाह तआला ने रोज़े का हुक्म देने के बाद फ़रमाया-"शायद की तुम मुत्तक़ी और परहेज़गार बन जाओ।"यह नहीं फ़रमाया कि इससे ज़रूर मुत्तक़ी और परहेज़गार बन जाओगे । इसलिए कि रोज़े का यह नतीजा तो आदमी की समझ-बूझ और उसके इरादे पर मुन्हसिर है। जो इसके मक़सद को समझेगा और इसके ज़रिए से अस्ल मक़सद को हासिल करने की कोशिश करेगा, वह थोड़ा या बहुत परहेज़गार बन जाएगा। मगर जो मक़सद ही को न समझेगा और उसे हासिल करने की कोशिश ही न करेगा, उसे कोई फ़ायदा हासिल होने की उम्मीद नहीं।रोज़े के अस्ल मक़सद झूठ से बचना नबी (सल्ल.) ने मुख्तलिफ़ तरीक़ों से रोज़े के अस्ल मक़सद की तरफ़ ध्यान दिलाया है और यह समझाया है कि मक़सद से ग़ाफ़िल होकर भूखा-प्यासा रहना कुछ फ़ायदेमन्द नहीं। **इसलिए फ़रमाया-"जिस किसी ने झूठ बोलना और झूठ पर अमल करना ही न छोड़ा तो उसका खाना और पानी छुड़ा देने की अल्लाह को कोई ज़रूरत नहीं।" (हदीस : बुख़ारी) दूसरी हदीस में है कि प्यारे नबी (सल्ल.) ने रमाया-"बहुत-से रोज़ेदार ऐसे हैं कि रोज़े से भूख-प्यास के सिवा उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ता, और बहुत-से रातों के खड़े रहनेवाले ऐसे हैं कि इस क़ियाम से रत-जगे के सिवा उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ता।"** (हदीस : दारमी, इब्ने-माजा, अहमद) इन दोनों हदीसों का मतलब बिलकुल साफ़ है। इनसे साफ़ तौर पर मालूम होता है कि सिर्फ़ भूखा और प्यासा रहना इबादत नहीं है, बल्कि अस्ल इबादत का ज़रिआ है, और अस्ल इबादत है खुदा के ख़ौफ़ की वजह से खुदा के क़ानून की ख़िलाफ़वर्जी न करना और खुदा की मुहब्बत की वजह से हर उस काम के लिए शौक़ से लपकना जिसमें महबूब की खुशनूदी हो, और जहाँ तक भी मुमकिन हो नफ़्सानियत से बचना। इस इबादत से जो शख़्स ग़ाफ़िल रहा उसने बेकार ही अपने पेट को भूख और प्यास की तकलीफ़ दी। अल्लाह तआला को इसकी ज़रूरत कब थी कि बारह-चौदह घण्टों के लिए उससे खाना-पीना छुड़ा देता ! ईमान व एहतिसाब रोज़े के अस्ल मक़सद की तरफ़ प्यारे नबी (सल्ल.) इस तरह ध्यान दिलाते हैं-"जिसने रोज़ा रखा, ईमान और एहतिसाब के साथ, उसके सारे पिछले गुनाह माफ़ कर दिए गए।" (हदीस : बुख़ारी, मुस्लिम) 'ईमान' का मतलब यह है कि खुदा के बारे में एक मुसलमान का जो अक़ीदा होना चाहिए, वह अक़ीदा दिमाग़ में पूरी तरह ताज़ा रहे और 'एहतिसाब' का मतलब यह है कि आदमी अल्लाह ही की रिज़ा का तालिब हो और हर वक़्त अपने ख़यालों और अपने कामों पर नज़र रखे कि कहीं वह अल्लाह की मरज़ी के ख़िलाफ़ तो नहीं चल रहा है। इन दोनों चीज़ों के साथ जो आदमी रमज़ान के पूरे रोज़े रख लेगा वह अपने पिछले गुनाह बख़्शवा ले जाएगा। इसलिए कि अगर वह कभी सरकश व नाफ़रमान बन्दा था भी तो अब वह अपने मालिक की तरफ़ पूरी तरह पलट आया। नबी (सल्ल.) ने फ़रमाया- "गुनाह से तौबा करनेवाला ऐसा है जैसे गुनाह किया ही न था।" गुनाहों से बचने की ढाल एक हदीस में आया है- "रोज़े ढाल की तरह हैं (कि जिस तरह ढाल दुश्मन के वार से बचने के लिए है उसी तरह रोज़ा भी शैतान के वार से बचने के लिए है), इसलिए जब कोई शख़्स रोज़े से हो तो उसे चाहिए कि (इस ढाल को इस्तेमाल करे और) लड़ाई-झगड़े से परहेज़ करे। अगर कोई शख़्स उसको गाली दे या उससे लड़े तो उसको कह देना चाहिए कि भाई! मैं रोज़े से हूँ, (मुझसे यह उम्मीद न. रखो कि तुम्हारे इस मशग़ले में हिस्सा लूँगा)।"(हदीस : बुख़ारी, मुस्लिम) नेकी की शदीद ख़ाहिश दूसरी हदीसों में नबी (सल्ल.) ने बताया है कि रोज़े की हालत में आदमी को ज़्यादा-से-ज़्यादा नेक काम करने चाहिएँ और हर भलाई का शौक़ीन बन जाना चाहिए। ख़ासकर इस हालत में उसके अन्दर अपने दूसरे भाइयों की हमदर्दी का जज़्बा तो पूरी शिद्दत के साथ पैदा हो जाना चाहिए, क्योंकि वह खुद भूख-प्यास की तकलीफ़ में मुब्तला होकर ज़्यादा अच्छी तरह महसूस कर सकता है कि खुदा के दूसरे बन्दों पर ग़रीबी और मुसीबत में क्या गुज़रती होगी। हज़रत इब्ने-अब्बास (रज़ि.) की रिवायत है कि खुद हज़रत मुहम्मद (सल्ल.) रमज़ान के आम दिनों में ज़्यादा रहीम और शफ़ीक़ हो जाते थे। कोई माँगनेवाला उस ज़माने में नबी (सल्ल.) के दरवाज़े से ख़ाली न जाता था और कोई क़ैदी उस ज़माने में क़ैद न रहता था। इफ़्तार कराने का सवाब एक हदीस में आया है कि नबी (सल्ल.) ने फ़रमाया-"जिसने (रमज़ान में) किसी रोज़ेदार को इफ़्तार कराया तो उसको उतना ही सवाब मिलेगा जितना उस रोज़ेदार को रोज़ा रखने का सवाब मिलेगा, बग़ैर इसके कि रोज़ेदार के अज्र में कोई कमी हो।"(हदीस : तिरमिज़ी, इब्ने-माजा) ज़कात की हक़ीक़त (खुतबात-4) ज़कात , जकात की हकीकत,ति,कार,समाजी और इजतिमाई ज़िन्दगी में ज़कात का दर्जा अल्लाह की राह में ख़र्च करने के आम हुक्म ज़कात के ख़ास हुक्म ज़कात की अहमियत मुसलमान भाइयो ! नमाज़ के बाद इस्लाम का सबसे बड़ा रुक्न ज़कात है। आमतौर पर चूँकि इबादतों के सिलसिले में नमाज़ के बाद रोज़े का नाम लिया जाता है, इसलिए लोग यह समझने लगे हैं कि नमाज़ के बाद रोज़े का नम्बर है। मगर कुरआन मजीद से हमें मालूम होता है कि इस्लाम में नमाज़ के बाद सबसे बढ़कर ज़कात की अहमियत है। ये दो बड़े सुतून हैं, जिनपर इस्लाम की इमारत खड़ी होती है। इनमें से किसी एक के भी हटने के बाद इस्लाम क़ायम नहीं रह सकता। **ज़कात का मतलब है-पाकी और सफ़ाई। अपने माल में से एक हिस्सा ज़रूरतमन्दों और ग़रीबों के लिए निकालने को ज़कात इसलिए कहा गया है कि इस तरह आदमी का माल और उस माल के साथ खुद आदमी का नफ़्स और मन भी पाक हो जाता है। जो शख़्स खुदा की दी हुई दौलत में से खुदा के बन्दों का हक़ नहीं निकालता, उसका माल नापाक है और माल के साथ उसका नफ़्स भी नापाक है, क्योंकि उसके नफ़्स में एहसान-फ़रामोशी भरी हुई है।** उसका दिल इतना तंग है, इतना खुद-ग़रज़ है, इतना ज़र-परस्त (माल का पुजारी) है कि जिस खुदा ने उसको उसकी असली ज़रूरतों से ज़्यादा दौलत देकर उसपर एहसान किया, उसके एहसान का हक़ अदा करते हुए भी उसका दिल दुखता है। ऐसे शख़्स से क्या उम्मीद की जा सकती है कि वह दुनिया में कोई नेकी भी खुदा के वास्ते कर सकेगा, कोई कुरबानी भी सिर्फ़ अपने दीन व ईमान के लिए बरदाश्त कर सकेगा? इसलिए ऐसे आदमी का दिल भी नापाक और उसका वह माल भी नापाक, जिसे वह इस तरह जमा करे। ज़कात, एक इम्तिहान अल्लाह तआला ने ज़कात का फर्ज लागू करके हर शख़्स को इम्तिहान में डाला है। जो शख़्स खुशी से अपनी ज़रूरत से ज्यादा माल में से खुदा का हक़ निकालता है और उसके बन्दों की मदद करता है, वही अल्लाह के काम का आदमी है और वही इस लाइक़ है कि ईमानदारों में उसकी गिनती की जाए।

जारी.....

इंडियन आर्मी में अग्निवीर भर्ती 2026 के लिए आवेदन शुरू

इंडियन आर्मी की ओर से अग्निवीर भर्ती 2025 के लिए आज से आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। अग्निपथ स्कीम के तहत चयनित अग्निवीरों की सेवा अवधि चार वर्ष होगी। चार साल बाद 75% अग्निवीरों को सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा। जबकि 25% को स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। अग्निवीर परीक्षा 1 से 15 जून 2026 को आयोजित की जाएगी।

आवेदन शुरू :
13 फरवरी से 01 अप्रैल 2026 तक

एज लिमिट :
अग्निवीर जीडी/टेक्निकल/असिस्टेंट/ट्रेड्समैन : 17.5 से 22 साल
सोल्जर टेक्निकल: 17.5 से 23 वर्ष
सिपाही फार्मा: 19-25 वर्ष
JCO धार्मिक टीचर: 25-24 साल।
आयुसीमा की गणना 1 जुलाई 2027 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल टेस्ट
मेडिकल एग्जाम
मेरिट लिस्ट जारी

सैलरी :
पहले वर्ष 30 हजार रुपए सैलरी मिलेगी, जो चौथे साल तक बढ़कर 40 हजार रुपए हो जाएगी। वेतन का 30% हिस्सा सेवा निधि में जमा होगा, जिसमें सरकार भी समान राशि जोड़ेगी। चार साल बाद करीब 11.71 लाख रुपये का सेवा निधि पैकेज (ब्याज सहित) मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए JCO/OR/Agniveer / Apply/ Login पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद यूजर आईडी और पासवर्ड की मदद से लॉग इन करें।
अपना फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

IDBI बैंक में 1300 पदों पर भर्ती, 8 मार्च से करें आवेदन

आईडीबीआई बैंक ने 1300 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 8 मार्च 2026 को होगी। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट idbibank.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
08 मार्च से 19 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : न्यूनतम 60% अंक
एससी-एसटी : 55% अंक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 25 साल

सैलरी :
6.14 - 6.50 लाख रुपए सालाना

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
पर्सनल इंटरव्यू
मेडिकल टेस्ट

एग्जाम पैटर्न :
ड्यूरेशन : 120 मिनट
निगेटिव मार्किंग : 0.25 मार्क्स

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
आवेदक का आधार कार्ड
शिक्षा के प्रमाण पत्र (10th, 12th Marksheet)
पासपोर्ट साइज फोटो
रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर
ईमेल आईडी
स्थायी निवासी प्रमाण पत्र
सिग्नेचर
जाति प्रमाण पत्र

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट id-bibank.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
फॉर्म पूरा भरने के बाद इसे सब्मिट कर दें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन में 245 पदों पर भर्ती

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में ट्रेड अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आज से आवेदन शुरू हो रहे हैं। उम्मीदवार वेबसाइट npcilcareers.co.in पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। अप्रेंटिस की भर्ती एक साल के लिए की जाएगी। इस भर्ती की लोकेशन रावतभाटा, राजस्थान है।

आवेदन शुरू :
26 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त संस्थान से फुल टाइम और रेगुलर आईटीआई की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 24 साल

स्टाइपेंड :
9,600 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट npcilcareers.co.in पर जाएं।
करियर बटन पर क्लिक करने के बाद Registration Form लिंक पर क्लिक करें।
GATE 2023/2024/2025 डिटेल्स के साथ रजिस्ट्रेशन करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करके डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

MPPSC ने 949 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन किए शुरू

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) ने असिस्टेंट प्रोफेसर के 949 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 27 फरवरी, 2026 से शुरू किए जाएंगे। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mponline.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
27 फरवरी से 26 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में कम से कम 55% अंकों या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से समकक्ष ग्रेड के साथ मास्टर डिग्री होनी चाहिए।
आवेदकों ने UGC, CSIR, या ICAR द्वारा आयोजित NET, या राज्य द्वारा आयोजित SET/SLET परीक्षा पास की हो।
यूजीसी नियमों के अनुसार, पीएचडी होल्डर्स को NET/SET/SLET से छूट दी गई है।

आयु सीमा :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
मध्यप्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को उम्र में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
57,700 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू

फीस :
मप्र के अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) : 250 रुपए
जनरल, राज्य के बाहर के उम्मीदवार : 500 रुपए

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
मार्कशीट
एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट
कास्ट/EWS/PwD सर्टिफिकेट
पासपोर्ट साइज फोटो
NOC (अगर जॉब में हैं)
ओरिजिनल और सेल्फ-अटेस्टेड कॉपी

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट mppsc.mp.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Apply Online सेक्शन पर क्लिक करें।
भर्ती से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
अपनी कुछ डिटेल्स भरकर रजिस्ट्रेशन आईडी क्रिएट करें।
रजिस्ट्रेशन करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 5349 पदों पर निकली भर्ती

रेलवे रिक्रूटमेंट सेल (RRC) ने पश्चिम रेलवे भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 फरवरी से शुरू होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट https://www.rrc-wr.com पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। यह ट्रेनिंग एक साल के लिए दी जाएगी।

आवेदन शुरू :
21 फरवरी से 23 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
न्यूनतम 50% अंकों के साथ 10वीं पास
NCVT के मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 15 साल
अधिकतम : 24 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूडी : 10 साल की छूट

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपएएससी, एसटी,पीडब्ल्यूबीडी,महिला : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर शॉर्टलिस्टिंग
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

स्टाइपेंड :
रेलवे बोर्ड द्वारा जारी नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrc-wr.com पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रख लें।

रॉयल पत्रिका
जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -
9772552446/9799559096

यूपीएससी ने CAPF में 349 पदों पर निकाली भर्ती

संघ लोक सेवा आयोग ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) में असिस्टेंट कमांडेंट के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 19 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी।

आवेदन शुरू :
20 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 25 साल
उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 अगस्त, 2026 के आधार पर की जाएगी।
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट
जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
वैलिड ईमेल आईडी
मोबाइल नंबर
स्कैन की गई फोटो और सिग्नेचर
फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर आईडी/पैन कार्ड/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस)

फीस :
जनरल, ओबीसी : 200 रुपए
एससी, एसटी, महिला : निःशुल्क

एग्जाम में लागू होंगे ये नियम :
वन टाइम रजिस्ट्रेशन की जगह यूआरएन ने ले ली है जो हमेशा वैलिड रहेगा।
फाइनल सब्मिशन के बाद आवेदन में सुधार करने का कोई मौका नहीं मिलेगा।
अब पहले से खींची हुई फोटो अपलोड करने के बजाय आवेदन के समय लाइव फोटो कैप्चर करना जरूरी है।
उम्मीदवारों को सफेद कागज पर काले पेन से तीन बार सिग्नेचर करके अपलोड करने होंगे।
एग्जाम सेंटरों की संख्या 47 से बढ़ाकर 57 कर दी गई है। इसके अंतर्गत दिल्ली-एनसीआर (नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद) और भुवनेश्वर, इंदौर जैसे 10 नए सेंटर जोड़े गए हैं।
इस बार असिस्टेंट कमांडेंट परीक्षा केंद्र पर सभी उम्मीदवारों का अनिवार्य फेस ऑथेंटिकेशन किया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाएं।
होमेपज पर ऑनलाइन अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
इसके बाद UPSC CAPF AC Recruitment 2026 लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
सभी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

146. शिवाजी ने अपनी राजधानी कहाँ स्थापित की थी?
(A) पुणे (B) रायगढ़
(C) सतारा (D) सिंहगढ़
उत्तर: (B)
व्याख्या: शिवाजी ने 1674 में रायगढ़ किले पर मराठा साम्राज्य की राजधानी स्थापित की थी।

147. शिवाजी का राज्याभिषेक कब हुआ था?
(A) 1664 (B) 1670
(C) 1674 (D) 1680
उत्तर: (C)
व्याख्या: 6 जून 1674 को रायगढ़ किले पर शिवाजी का राज्याभिषेक छत्रपति के रूप में हुआ था।

148. 'अष्टप्रधान' परिषद किसके शासन से संबंधित है?
(A) अकबर (B) शिवाजी
(C) औरंगजेब (D) हैदर अली
उत्तर: (B)
व्याख्या: शिवाजी ने प्रशासन के लिए 'अष्टप्रधान' नामक आठ मंत्रियों की परिषद बनाई थी।

149. शिवाजी के बाद मराठा शासन का नेतृत्व किसने किया?
(A) साम्भाजी (B) राजाराम
(C) ताराबाई (D) बालाजी विश्वनाथ
उत्तर: (A)
व्याख्या: शिवाजी के उत्तराधिकारी उनके पुत्र साम्भाजी थे, जिन्होंने 1680 से 1689 तक शासन किया।

150. पेशवा पद की शुरुआत किस शासक ने की थी?
(A) बालाजी विश्वनाथ (B) शिवाजी
(C) बाजीराव प्रथम
(D) नाना फड़नवीस
उत्तर: (A)
व्याख्या: पेशवा पद की स्थापना शिवाजी के शासन में हुई, लेकिन इसे प्रभावशाली बनाने का श्रेय बालाजी विश्वनाथ को जाता है।

151. पानीपत का तृतीय युद्ध कब हुआ था?
(A) 1526 (B) 1556
(C) 1761 (D) 1707
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1761 में पानीपत का तीसरा युद्ध मराठों और अहमद शाह अब्दाली के बीच लड़ा गया था।

152. 'सूफ़ी मत' का प्रमुख सिद्धांत क्या है?
(A) कर्मकांड
(B) ईश्वर के साथ आत्मा का मिलन
(C) पूजा-पाठ (D) ज्ञानमार्ग
उत्तर: (B)
व्याख्या: सूफ़ी मत आत्मा और परमात्मा के मिलन पर आधारित एक रहस्यवादी इस्लामी परंपरा है।

153. 'भक्ति आंदोलन' की शुरुआत किसने की थी?
(A) शंकराचार्य (B) रामानुज
(C) कबीर (D) चैतन्य महाप्रभु
उत्तर: (B)
व्याख्या: दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन की शुरुआत 11वीं शताब्दी में रामानुजाचार्य ने की थी।

154. कबीर के गुरु कौन थे?
(A) नामदेव (B) रामानंद
(C) तुलसीदास (D) रविदास
उत्तर: (B)
व्याख्या: कबीर के गुरु रामानंद थे, जिन्होंने उन्हें भक्ति मार्ग का ज्ञान दिया।

155. गुरु नानक का जन्म कहाँ हुआ था?
(A) अमृतसर (B) तलवंडी
(C) पटना (D) लाहौर
उत्तर: (B)
व्याख्या: गुरु नानक का जन्म 1469 ई. में तलवंडी (अब ननकाना साहिब, पाकिस्तान) में हुआ था।

156. 'गुरु ग्रंथ साहिब' में क्या संकलित है?
(A) सिख गुरुओं की शिक्षाएँ
(B) वेद
(C) जैन आगम (D) भगवद्गीता
उत्तर: (A)
व्याख्या: गुरु ग्रंथ साहिब में सिख गुरुओं और संत कवियों की वाणी संकलित है।

157. सिखों के अंतिम गुरु कौन थे?
(A) गुरु गोबिंद सिंह
(B) गुरु अर्जुन देव
(C) गुरु नानक
(D) गुरु तेग बहादुर
उत्तर: (A)
व्याख्या: गुरु गोबिंद सिंह सिखों के दसवें और अंतिम मानव गुरु थे।

158. 'खालसा पंथ' की स्थापना कब हुई?
(A) 1699 (B) 1707
(C) 1761 (D) 1606
उत्तर: (A)
व्याख्या: गुरु गोबिंद सिंह ने 1699 ई. में खालसा पंथ की स्थापना की।

159. अकबर ने 'इलाही संवत' की शुरुआत कब की थी?
(A) 1565 (B) 1575
(C) 1582 (D) 1584
उत्तर: (D)
व्याख्या: अकबर ने 1584 ई. में 'इलाही संवत' का आरंभ किया, जिसका आधार उनके राज्यारोहण वर्ष को माना गया।

160. 'आईने अकबरी' किसने लिखी थी?
(A) अबुल फजल (B) फैजी
(C) बदायूंनी (D) निजामुद्दीन
उत्तर: (A)
व्याख्या: अबुल फजल ने अकबर के शासनकाल का वर्णन 'आइन-ए-अकबरी' में किया है।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल

12वीं आर्ट्स के बाद ये 10 कोर्स बना सकते हैं शानदार करियर, जानिए बेस्ट करियर ऑप्शन्स

एक समय था जब यह माना जाता था कि अच्छा और सुरक्षित करियर सिर्फ साइंस या कॉमर्स के स्टूडेंट्स ही बना सकते हैं। आर्ट्स से 12वीं करने वाले छात्रों को अक्सर यह सुनने को मिलता था कि उनके पास आगे विकल्प सीमित हैं। लेकिन बदलते दौर में यह सोच पूरी तरह बदल चुकी है। आज आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए भी ऐसे कई कोर्स और करियर ऑप्शन्स मौजूद हैं, जिनसे वे न सिर्फ अच्छी नौकरी पा सकते हैं, बल्कि अपनी रुचि के मुताबिक पहचान भी बना सकते हैं। आज कला, मीडिया, कानून, मैनेजमेंट, टूरिज्म, फैशन और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इन क्षेत्रों में आर्ट्स बैकग्राउंड से आए युवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है। अगर आपने भी 12वीं आर्ट्स से की है और भविष्य को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो यहां बताए गए ये 10 कोर्स आपके करियर को मजबूत दिशा दे सकते हैं।

बैचलर ऑफ आर्ट्स (BA)
बीए आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए सबसे पारंपरिक और भरोसेमंद कोर्स है। भारत की लगभग हर यूनिवर्सिटी में यह कोर्स उपलब्ध है। इसमें आप हिंदी, इंग्लिश, हिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, इंटरनेशनल रिलेशंस जैसे विषयों में ऑनर्स कर सकते हैं। बीए के बाद आप एमए, एमफिल या पीएचडी करके प्रोफेसर या रिसर्चर बन सकते हैं। इसके अलावा बैंकिंग, प्रशासनिक सेवाएं, SSC, UPSC और अन्य सरकारी नौकरियों के रास्ते भी खुल जाते हैं।

बीए एलएलबी (BA LLB)
अगर आपकी रुचि कानून और न्याय व्यवस्था में है, तो बीए एलएलबी एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह पांच साल का इंटीग्रेटेड कोर्स होता है। इसके बाद आप एडवोकेट बन सकते हैं या कॉरपोरेट सेक्टर में लीगल एडवाइजर के रूप में काम कर सकते हैं। ज्यूडिशियल सर्विसेज की तैयारी करके सिविल जज या जिला जज बनने का रास्ता भी इसी कोर्स से निकलता है।

बैचलर इन होटल मैनेजमेंट (BHM)
होटल और हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। अगर आप लोगों से मिलना-जुलना पसंद करते हैं और मैनेजमेंट स्किल्स अच्छी हैं, तो होटल मैनेजमेंट आपके लिए सही फील्ड हो सकती है। IHM जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से इस कोर्स को करने के बाद आप देश-विदेश के बड़े होटलों में अच्छे पैकेज पर जॉब पा सकते हैं।

बैचलर इन फाइन आर्ट्स (BFA)
अगर आपके अंदर क्रिएटिव सोच है और आप पेंटिंग, स्कल्पचर, फोटोग्राफी या डिजाइन में रुचि रखते हैं, तो बीएफए आपके लिए शानदार विकल्प है। इस कोर्स के बाद आप आर्टिस्ट, ग्राफिक डिजाइनर, इलस्ट्रेटर या आर्ट टीचर के रूप में करियर बना सकते हैं।

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA)
आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए मैनेजमेंट में जाने का सबसे आसान रास्ता बीबीए है। इस कोर्स में बिजनेस, मार्केटिंग, फाइनेंस और ऑपरेशंस से जुड़ी बेसिक जानकारी दी जाती है। बीबीए के बाद एमबीए करके आप मल्टीनेशनल कंपनियों में शानदार पैकेज पा सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

फैशन डिजाइनिंग
फैशन इंडस्ट्री आज सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रही। डिजाइन, स्टाइलिंग, ब्रांडिंग और टेक्सटाइल जैसे कई क्षेत्रों में मौके मौजूद हैं। निफ्ट (NIFT) सहित कई बड़े संस्थान फैशन डिजाइनिंग के कोर्स कराते हैं। इस फील्ड में क्रिएटिव लोगों के लिए करियर की अपार संभावनाएं हैं।

बीजेएमसी (Journalism and Mass Communication)
मीडिया और कम्युनिकेशन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। बीजेएमसी के जरिए आप पत्रकारिता, टीवी मीडिया, डिजिटल मीडिया, रेडियो और फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख सकते हैं। आज के दौर में कंटेंट राइटिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट और डिजिटल जर्नलिज्म की भी काफी मांग है।

टूर एंड ट्रैवल मैनेजमेंट
अगर आपको घूमना पसंद है और नई संस्कृतियों को समझना अच्छा लगता है, तो टूरिज्म सेक्टर आपके लिए सही है। बीए इन टूरिज्म स्टडीज, बीबीए इन टूर एंड ट्रैवल मैनेजमेंट जैसे कोर्स करके आप ट्रैवल कंपनी, एयरलाइंस या होटल सेक्टर से जुड़ सकते हैं। ट्रैवल ब्लॉगर या अपनी ट्रैवल एजेंसी शुरू करने का ऑप्शन भी है।

सोशल वर्क (BSW / MSW)
समाजसेवा में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए यह बेहतरीन करियर ऑप्शन है। सोशल वर्क के बाद आप NGOs, सरकारी योजनाओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जुड़ सकते हैं।

टीचिंग और एजुकेशन
बीए के बाद बीएड करके आप स्कूल टीचर बन सकते हैं। शिक्षा का क्षेत्र हमेशा स्थिर और सम्मानजनक करियर माना जाता है।

गर्मियों में कौन-से फल खाने चाहिए? सेहत और ठंडक देने वाले बेहतरीन फल

गर्मियों का मौसम आते ही तेज धूप, पसीना, थकान और डिहाइड्रेशन जैसी परेशानियां बढ़ने लगती हैं। ऐसे में शरीर को ठंडक देने और एनर्जी बनाए रखने के लिए खान-पान पर खास ध्यान देना बहुत जरूरी होता है। गर्मियों में फल खाना सेहत के लिए सबसे अच्छा विकल्प माना जाता है, क्योंकि फलों में पानी, विटामिन, मिनरल और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। डॉक्टर और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट भी सलाह देते हैं कि गर्मियों के मौसम में ज्यादा से ज्यादा मौसमी फल खाने चाहिए। ये फल शरीर को ठंडा रखते हैं, पानी की कमी नहीं होने देते और कई बीमारियों से भी बचाते हैं। आइए जानते हैं कि गर्मियों में कौन-कौन से फल खाना सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है।

तरबूज – गर्मियों का सबसे ठंडा फल
गर्मियों का नाम आते ही सबसे पहले तरबूज का ख्याल आता है। तरबूज में लगभग 90 प्रतिशत पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। तरबूज खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और यह शरीर को तुरंत ठंडक देता है। इसमें विटामिन A, विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। गर्मी के दिनों में तरबूज खाने से थकान कम होती है और शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है।

खरबूजा – शरीर को देता है ठंडक
खरबूजा भी गर्मियों का बहुत ही लोकप्रिय फल है। यह स्वाद में मीठा और रसदार होता है। इसमें पानी की मात्रा काफी अधिक होती है, इसलिए यह शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। खरबूजा पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देता है। इसमें विटामिन A और पोटैशियम होता है, जो आंखों और दिल की सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

आम – फलों का राजा
आम को फलों का राजा कहा जाता है और गर्मियों में इसका इंतजार हर किसी को रहता है। आम स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आम में विटामिन A, विटामिन C और फाइबर होता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और पाचन को बेहतर करता है। हालांकि आम को सीमित मात्रा में खाना चाहिए, क्योंकि ज्यादा आम खाने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है।

लीची – मीठा और ठंडा फल
लीची भी गर्मियों का बेहद स्वादिष्ट फल है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ तुरंत ऊर्जा भी देता है। लीची में विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जो त्वचा और इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद होते हैं। गर्मी के मौसम में लीची खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और थकान भी कम होती है।

पपीता – पाचन के लिए सबसे अच्छा
पपीता हर मौसम में मिलने वाला फल है, लेकिन गर्मियों में इसे खाना बहुत फायदेमंद माना जाता है। पपीते में पपेन नाम का एंजाइम होता है, जो पाचन को बेहतर बनाता है। यह पेट की गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत देता है। इसके अलावा पपीता त्वचा के लिए भी अच्छा माना जाता है और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है।

अनानास – स्वाद और सेहत का मेल
अनानास भी गर्मियों में खाने के लिए अच्छा फल है। इसमें पानी, विटामिन C और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। अनानास खाने से शरीर में सूजन कम होती है और पाचन तंत्र मजबूत होता है। यह फल इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है।

संतरा और मौसंबी – विटामिन C का खजाना
संतरा और मौसंबी जैसे खट्टे फल गर्मियों में शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इनमें विटामिन C भरपूर मात्रा में होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इन फलों का जूस पीने से शरीर को ताजगी मिलती है और थकान दूर होती है। साथ ही यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करते हैं।

अंगूर – शरीर को देते हैं ऊर्जा
अंगूर भी गर्मियों में खाने के लिए बहुत अच्छा फल है। इसमें ग्लूकोज और पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है। अंगूर दिल की सेहत के लिए भी अच्छे माने जाते हैं और यह शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करते हैं।

केला – ताकत और ऊर्जा का स्रोत
केला भी गर्मियों में खाने के लिए अच्छा फल है। इसमें पोटैशियम और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं। जो लोग ज्यादा काम करते हैं या जल्दी थक जाते हैं, उनके लिए केला बहुत फायदेमंद होता है।

मो. जहीर कारपेंटर ईदगाह सदर ओर शोएब अख्तर सेकेट्री नियुक्त

बारां (रॉयल पत्रिका)। आगामी ईद उल फ़ित्र की तैयारी के मद्देनज़र जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी ने ईदगाह सदर की नियुक्ति की है। जिसमें जहीर अहमद कारपेंटर को ईदगाह कमेटी बारां का सदर नियुक्त किया गया है, ओर शोएब अख्तर को सेक्रेटरी के तौर पर नियुक्त किया गया है। चेयरमैन इरफान अंसारी ने बताया कि कमेटी को भरोसा है कि दोनों नवनियुक्त पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाएंगे तथा ईदगाह के कामकाज और व्यवस्था को और बेहतर बनाएंगे जिससे आमजन को आसानी हो। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों

का वक्फ कमेटी कार्यालय पर माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया ओर उपस्थित लोगों ने उनके सफल कार्यकाल की कामना की है। साथ ही दोनों पदाधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए कर्तव्यों को अच्छे से निभाने का आह्वान किया। इस दौरान जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, अब्दुल शकूर चिश्ती, अब्दुल रशीद पठान, एडवोकेट असलम भारती, पूर्व अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, शैख बहादुर, सलीम भाई शटर, रईस अहमद, हक्का भाई, नियाज मोहम्मद, अख़लाक़ अंसारी, साबीर खान, बबलू मंसूरी, असलम मंसूरी आदि मोजूद रहें।

इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल के अंतर्गत हुआ मतदाता जागरुकता मेले का आयोजन

-आकर्षण का केंद्र रही मतदाता जागरुकता प्रदर्शनी

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को आयोजित इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल में लोकतांत्रिक सहभागिता की झलक दिखी। इसमें युवाओं ने मताधिकार के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता मेले का आयोजन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में आयोजित मेले का उद्घाटन निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एसडीएम विश्वजीत सिंह ने फ़ीता काटकर किया। इस अवसर पर बीडीओ दारा सिंह, सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव भी मौजूद रहे। एसडीएम ने उपस्थित जन को लोकतंत्र में मतदान का महत्व समझाते हुए जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा दी एवं प्रत्येक निर्वाचन में मतदान करने का संकल्प कराया। साथ ही प्रदर्शनी एवं विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया तथा मतू के साथ सेल्फी खिंचवाई। वहीं ईएलसी सदस्यों द्वारा मतदान के अधिकार एवं मतदान के महत्व के संबंध में बनाए गए रंगोली एवं पोस्टर की सराहना की। बीडीओ दारा सिंह ने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने अपने साथ अपने परिवार, पड़ौसी, मोहल्ले वालों को मतदान के लिए प्रेरित करने कहा।

निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस से कराया रुबरु

स्वीप सह प्रभारी भार्गव ने महाविद्यालय के ईएलसी क्लब को जिले में सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन लोकतंत्र के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का उत्सव है, क्योंकि मतदान प्रत्येक नागरिक का केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है। इसलिए हमें लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए प्रत्येक निर्वाचन में मतदान अवश्य करना चाहिए। इस दौरान भार्गव ने निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस की जानकारी दी। वहीं नव मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए घर बैठे ईसीआई नेट ऐप द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया से करने की जानकारी दी गई। साथ ही सीविजिल, केवाईसी एवं सक्षम ऐप तथा 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा के बारे में बताया गया।

निर्वाचन के फॉर्म 6,7 एवं 8 का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण

ईएलसी सदस्यों ने फॉर्म-6,7 और 8 के माध्यम से नव मतदाता पंजीयन, नाम पृथक् करने और अपने ईपिक में सुधार करने का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया। जिससे नवमतदाता को ऑनलाइन आवेदन या बीएलओ के माध्यम से निर्वाचन संबंधी कार्य की जानकारी हो सके।

मुस्लिम युवाओं की जानिब से रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) । रमजानुल मुबारक के पाक महीने में सामूहिक रोज़ा इफ्तार करवाने की बड़ी फजीलत है, इसी लिए इस पाक महीने में कई सारे रोजा अफ्तार कार्यक्रम विभिन्न संस्थाओं, संगठनों ओर आमजन द्वारा करवाए जाते हैं। शनिवार 07 मार्च को 17 वें रमजान के मौके पर ताहिर शेख, रेहान कुरैशी, फ़राज़ अहमद ओर अशरफ़ मंसूरी की जानिब से अंजुमन मैरिज हॉल में रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम रखा गया। जिसमें बड़ी संख्या में रोजेदारों ने पहुंच कर रोज़ा इफ्तार किया। इसके बाद नमाज भी यही अदा की गई। नमाज के बाद 17 रमजान को जंग-ए-बदर के मौके

पर इस्लाम की इस अजीम तारीख पर मौलाना मसूद आलम ने रोशनी डाली और उपस्थित लोगों को इसके बारे में विस्तार से बताया। रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम में अंजुमन सदर मन्नू पठान, पूर्व सदर माजिद सलीम, पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन साजिद सलीम, एडवोकेट फिरोज खान, इकबाल नेता, पार्षद जाकिर खान, इमरान रंगरेज, रिंकू सूरमा, खलील अहमद, वसीम सीसवाली, रियाज दुर्रानी, सहित कई लोग मौजूद रहे।

जगदीश चौपड़ा को अखिल भारत हिन्दू महासभा का जिलाध्यक्ष बनाया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणी महाराज व राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार पूनिया ने प्रदेश कोर कमेटी अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र शर्मा झेरलीवाला की अनुशंसा पर नियुक्ति की घोषणा करते हुए जगदीश चौपड़ा को जिलाध्यक्ष कोटा ग्रामीण नियुक्त किया। नई जिम्मेदारी मिलने पर जगदीश चौपड़ा ने कहा कि वह संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेशाध्यक्ष का

आभार जताया।

मस्जिद पर हुए हमले की घटना के विरोध में मुस्लिम महासभा ने दिया आईजी कोटा रेंज को ज्ञापन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । बूंदी जिले के दबलाना थाना क्षेत्र के आलोद ग्राम में होली के जुलूस के दौरान जुलूस में शामिल कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मस्जिद को काले रंग ओर जले हुए ऑयल से गंदा करने का कृत्य किया गया है। इसके खिलाफ शुक्रवार को मुस्लिम महासभा द्वारा उपाध्यक्ष जोनी राईन के नेतृत्व में पुलिस महानिरीक्षक कोटा रेंज को ज्ञापन देकर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की। ज्ञापन में बताया कि 04 मार्च 2026 बुधवार को हुए इस अल्पसंख्यक समाज विरोधी कृत्य से पूरे समाज में नाराजगी हे ओर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। इस दौरान सोनू अब्बासी, शोएब अहमद, जरगाम अंसारी, मुस्लिम महासभा से शकील अहमद,

शाहरुख अंसारी, असलम अब्बासी, राजील वारसी, शोएब अब्बासी, सोहेल अहमद, नाजिश आदि लोग मौजूद रहे।

झालावाड़ हजरत काले शाह बाबा दरगाह के सामने लगे गंदगी के ढेर

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। शहर स्थित हजरत काले शाह बाबा के सामने चारों ओर गंदगी का आलम है ऐसे में यहां आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वही नगर परिषद प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है, क्षेत्रवासी परेशान है। जिम्मेदार प्रशासन के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही यहां आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है ऐसे में यहां से गुजरने वाले बुजुर्गों व महिलाओं को गंदगी की

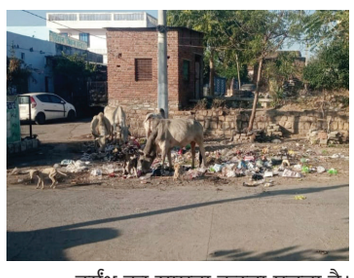

दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में भारतीय समाज सेवा संस्था के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी ने प्रशासन से मांग की है यहां लगे गंदगी के ढेर को हटाए।

बारां: रसोई गैस की बढ़ी कीमतों के खिलाफ महिला कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

बारां (रॉयल पत्रिका) । महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर महिला कांग्रेस बारां द्वारा रसोई गैस सिलेंडर के बढ़े हुए दामों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष बृजेश बैरवा ने किया। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों पर कड़ा विरोध जताया। जिलाध्यक्ष बृजेश बैरवा ने कहा कि रसोई गैस के दामों में लगातार हो रही वृद्धि से आम जनता विशेषकर गृहिणियों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। महंगाई के कारण आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि आम जनता को राहत देने के लिए रसोई गैस सिलेंडर के बढ़े हुए दामों को तुरंत कम किया जाए। इस प्रदर्शन में बारां महिला

कांग्रेस की कई पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया और महंगाई के खिलाफ नारे लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

93 वर्ष की बुजुर्ग कुलसुम बानो को रोजा रखते देख नन्हे पोता-पोती भी रख रहे रोज़े

-मासूम आफ़िया और अरकाम भी रख रहे पूरे रोज़े

बारां (रॉयल पत्रिका)। रमजानुल मुबारक के पाक महीने में रोजेदारों द्वारा रोज़े रखकर अल्लाह की इबादत की जा रही है। महिला, पुरुष, बुजुर्ज ओर बच्चें सभी रोज़े रखकर इबादत में मशगूल है। शहर के तालाब पाड़ा भोला शाह मस्जिद के पास निवासी 93 वर्षीय बुजुर्ग महिला कुलसुम बानो पत्नी मरहूम मोहम्मद गनी इतनी उम्र में भी पूरे रोज़े रखकर अल्लाह की इबादत में मशगूल है। उनके बेटे मोहम्मद उस्मान ओर हाजी मोहम्मद अशफाक ने बताया कि अम्मा को पूरे रोज़े रखते देख कर घर के छोटे बच्चे भी रोजाना सेहरी करके रोजा रख रहे हैं। मोहम्मद

आरिफ के दोनों बच्चें आफ़िया अंसारी 8 वर्ष ओर मोहम्मद अरकाम 6 वर्ष के है फिर भी परिवार के वातावरण को देख कर बच्चे हिम्मत करके रोज़े रख रहे है ओर इबादत में मशगूल है। छोटे, बड़े सभी सुबह जल्दी उठ कर सेहरी करके रोजा रखकर फज्र की नमाज पढ़ने के बाद इबादत करते हैं। फिर शाम को मगरिब की अज़ान लगते ही इफ़्तार करके रोजा खोल कर अल्लाह का शुक्र अदा करते हैं।

"जनहिताय – जनसुखाय पदयात्रा" सरकार आपके द्वार, समाधान हर बार

डॉक्टर तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत रामगंज मंडी के लोकप्रिय विधायक एवं राजस्थान सरकार में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर अपने विधानसभा क्षेत्र में "जनहिताय – जनसुखाय पदयात्रा" का शुभारंभ करने जा रहे हैं। यह पदयात्रा 13 मार्च से प्रारंभ होकर 16 मार्च को सम्पन्न होगी। चार दिवसीय इस जनसंपर्क पदयात्रा के दौरान मंत्री मदन दिलावर लगभग 70 किलोमीटर पैदल यात्रा करेंगे। यह पदयात्रा रामगंज मंडी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लाडपुरा पंचायत समिति के ग्रामीण क्षेत्रों में निकाली जाएगी, जहां मंत्री दिलावर गांव-गांव पहुंचकर देवतुल्य जनता से संवाद करेंगे। इस दौरान वे राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हुई जनता से मिलेंगे, साथ ही आमजन की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए प्रयास करेंगे।

एयरपोर्ट शिलान्यास कार्यक्रम रहा फ्लॉप शो:

प्रहलाद गुंजल सरकारी कर्मचारियों की बसें लगाने के बाद भी नहीं जुटी भीड़ भाजपा पर लगाया प्रचार का आरोप

डॉक्टर तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल ने एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को राजकीय कार्यक्रम बताते हुए उसे औपचारिकता करने वाला कार्यक्रम बताया। गुंजल ने कहा कि पिछले दिनों कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों व कोटा वासियों की ओर से उठाए जाने वाले सवालों से विचलित होकर लोकसभा अध्यक्ष व भाजपा ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के रूप में पेश किया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी के बुलावे पर आज जब कोई वहां आने को तैयार नहीं हुआ तो कोटा व बूंदी जिले में एक बस ग्रामसेवको, एक बस कृषि पर्यवेक्षको, एक बस राजीविका एवं आशा सहयोगिनी सहित राज्य कर्मचारियों के लिए लगाई गई जिसमें नरेगा से लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले

लोगों को लाने का प्रयास किया गया, फिर भी 914 बसे लगाने के बाद भी बमुश्किल 5000 लोग भी इकठ्ठा नहीं हो पाए इससे यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा से लोगों का भरोसा उठ गया है। गुंजल ने कहा कि कोटा की कोचिंग की दुर्दशा के लिए जिम्मेदारों द्वारा अब एयरपोर्ट की बात करने पर कोटा वासियों ने कोई रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि कोटा में एयरपोर्ट की घोषणा कांग्रेस सरकार द्वारा कर दी गई थी परंतु बीजेपी अब इसे अपना महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बात कर प्रचारित कर रही है। गुंजल ने कोटावासियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि देर आए दुरस्त आए उन्होंने कहा कि कोटा में कोचिंग की हालत क्या है जहां कोटा में देश भर से 3 लाख बच्चे आते थे वहां अब यह संख्या घटकर 10 से 20त्न रह गई है। बड़े-बड़े एमओयू होने के बाद भी नए उद्योग यहां आ नहीं रहे हैं, ऐसे में हवाई जहाज को ट्रैफिक मिलना भी मुश्किल लग रहा है। गुंजल ने इसे फ्लॉप शो करार देते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि कोटा में हवाई सेवा सुचारू रूप से चले परंतु ऐसा ना हो कि जिस तरह वंदे भारत ट्रेन को बंद किया गया उसी तरह कोटा का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी साल में एक दो उड़ान के बाद ही सिर्फ औपचारिक बन की ना रह जाए।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को समर्पित जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ आयोजित

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग, झालावाड़ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह (04 मार्च से 08 मार्च 2026) के उपलक्ष्य में रविवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन मिनी सचिवालय स्थित ऑडिटोरियम हॉल में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व जिला प्रमुख प्रेम बाई दांगी, मुख्य अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शम्भुदयाल मीणा, पूर्व उप जिला प्रमुख भागचन्द दांगी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. साजिद खान, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इस दौरान अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण किसी भी समाज के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित

विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी आमजन को दी गई तथा महिलाओं और बालिकाओं को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष हस्ताक्षर अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं तथा बालिकाओं ने भाग लेकर बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान 28 बालिकाओं को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, वहीं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 16 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को 'माता यशोदा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त 11 आशा सहयोगिनी तथा 9 साथिन कार्मिकों को भी उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान बालिका जन्मोत्सव भी मनाया गया, जिसमें नवजात बालिकाओं के जन्म पर उनके परिवारों को बधाई देते हुए समाज में बेटी के महत्व और सम्मान का संदेश दिया गया। इसके माध्यम से दर्शाया गया कि बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने से समाज में सकारात्मक सोच विकसित होती है और बेटियों को समान अवसर देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, महिला कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, साथिन तथा बड़ी संख्या में बालिकाएं और आमजन उपस्थित रहे।

एसडीपीआई बारां द्वारा सामुहिक रोज़ा इफ़्तार कार्यक्रम आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया बारां इकाई द्वारा दिनांक 4 मार्च बरोज बुधवार को अन्जुमन मेरिज़ हाल में रोज़ा इफ़्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे बारां शहर के रोजेदारों ने रोज़ा इफ़्तार किया इफ़्तार प्रोग्राम मे सभी रोजेदारों ने अमन-चैन कि दुआ की। प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज ने रोजे कि अहमियत के बारे में बताया साथ ही एसडीपीआई जनता के लिए जो सेवा कार्य करती हे उसके बारे में जानकारी दी। रोज़ा इफ़्तार प्रोग्राम में बारां जिला अध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जु, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इफ़्तिखार अहमद बब्लु, मुफ्ती मोहम्मद उमर, अलीम मंसूरी, सलमान नदवी, असलम कालु वार्ड पार्षद, इरशाद अंसारी, सलामत हुसैन, हाजी मोहम्मद अशफ़ाक, अख्तर हुसैन, कदीर अहमद मामाजी, वसीम मंसूरी, आरिफ़ अंसारी, शाकिर रंगरेज, वसीम शैख, अशफ़ाक मिस्त्री, शानु शैख, साबिर शेख, अखलाक मंसूरी, शेर अली, इमदाद अंसारी, जावेद खान, शोएब सर्राफ, मुजफ्फर मंसूरी, अरशद दुर्रानी, फैजान मंसूरी, समीर मिर्जा सहित बारां के कई कार्यकर्ता व अमन पसंद आवाम रोजा इफ़्तार प्रोग्राम मे मौजूद रहे। अंत में रोज़ा इफ्तार में शामिल होने वाले सभी मेहमानों का जिलाध्यक्ष एसडीपीआई अब्दुल अजीज ने शुक्रिया अदा किया।

छह साल की छोटी बच्ची सिजरा ने रखा पहला रोजा

मोहम्मद यासीन

सोजत (रॉयल पत्रिका) । रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत से ही छोटे-छोटे बच्चों का रोज़ा रखना जारी है । इन्हीं बच्चों को देखते हुए छह साल की छोटी बच्ची सिजरा ने अपना पहला रोजा रखकर सबका दिल जीत लिया। सोजत शहर के सिलावट मोहल्ला ढाल की गली में रहने वाले अब्दुल खालिद टांक व शबनम परवीन की 6 वर्षीय बेटी सिजरा ने अपना पहला रोजा रखा। परिवार के सभी सदस्यों ने छोटे रोजेदार को दुआएं दीं और मुबारकबाद दी। अम्मी शबनम परवीन ने बेटी को फूलों का हार पहनाकर खुशी जाहिर की। पिता अब्दुल खालिद टांक ने बेटी के

रोज़ा रखने की खुशी में मोहल्ले में रोज़ा इफ्तार पार्टी का प्रोग्राम रखा, जिसमें भारी तादाद में लोग मौजूद रहे। जिसमें छोटे दादा शायर कवि पत्रकार अब्दुल समद राही, दादी रिहाना रानू, जाहिदा बानो, मोहम्मद वाजिद, रिजवाना फरीदाबानो, सीमा परवीन, तैबा टांक, मोहम्मद इम्तियाज राही, अब्दुल जावेद टाक, मोहम्मद उमैर, मोहम्मद नासिर खताई अब्दुल हन्नान मोहम्मद यासीन अब्दुल मन्नान शहनवाज रफाई, इमरान पठान, मोहम्मद मोहसिन, नौशाद टांक, मोहम्मद मुस्तकीम, नर्सिंग ऑफिसर हाकम हुसैन, बाबू आसिफ, मोहिन पठान, डाक्टर मोहिनुदीन चौहान, नाजिम सिलावट, ठेकेदार रिजवान खताई, मोहम्मद अबरार आदि कई गणमान्य जन उपस्थित थे। सिजरा का कहना है कि वह अल्लाह से अपनी पढ़ाई में सफलता और जीवन में अच्छाई की दुआ मांगती है। उसने अपने घर के बड़े-बुजुर्गों को देखकर रोजा रखने की प्रेरणा ली। मुस्लिम समाज में माना जाता है कि रमजान के पवित्र महीने में की गई एक नेकी का सवाब 70 गुना बढ़ जाता है।

अफीया मिर्ज़ा और अक्सा मिर्ज़ा ने रमज़ान का पहला रोज़ा रखा

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान झालावाड़ रमजान माह की शुरुआत होते ही मस्जिदों में रौनक देखने को मिल रही है। मस्जिदों में इबादतों का दौर जारी है जहां मुस्लिम समाज के महिला एवं पुरुष रोजे रखकर अल्लाह की बारगाह में इबादत कर रहे हैं वहीं छोटे-छोटे बच्चे भी पीछे नहीं है झालावाड़ से तनवीर मिर्ज़ा मूर्ति चौराहा इमामबाड़ा की दोनों बेटी अफिया मिर्ज़ा (9 वर्ष) और अक्सा मिर्ज़ा (8 वर्ष) ने 7 मार्च 2026 को पहला रोज़ा रखा। इस रमजान माह के मुबारक मौके पर अपना दिन इबादत कर गुजारा और शाम होने पर समुदाय के बड़े बुजुर्गों से सलाम दुआ कर मुलाकात की इस दौरान बुजुर्गों ने अपनी नेक दुआओं से नवाजा और माला पहनकर नन्हे बच्चियों की हौसला अफजाई की।

पीर की जाल दरगाह का सालाना उर्स 20 मार्च से शुरू

-हिन्दुस्तान के कोने-कोने से आते जायरीन, कौमी एकता की प्रतीक दरगाह पीर की जाल

मोहम्मद अब्बास

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी की दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह पीर की जाल पर वार्षिक उर्स मेला दिनांक 20 मार्च से 30 मार्च तक आयोजित होगा। दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी के खादिम एडवोकेट इब्राहिम शाह जुनेजा ने बताया कि 20 मार्च को सुबह 9:00 बजे झंडा नेजा की रस्म होगी, 23 मार्च सोमवार को देर रात्रि संदल होगा। 30 मार्च को उर्स समापन की रस्म अदा होगी। दरगाह शरीफ के सालाना उसे मुबारक में कानूनी व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस प्रशासन कौने कोने पर मुस्तैद होगा। साथ रोज चलने वाले उर्स में हिंदुस्तान

के हर क्षेत्र से सैकड़ों जायरीन दरगाह पर अपनी मन्नतें लेकर जियारत करने आते हैं। दरगाह के सालाना उर्स मुबारक की तैयारियां दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी द्वारा की गई है सात रोज चलने वाले उर्स मुबारक में दोनों टाइम लंगर का इंतजाम किया गया है लाइट,पानी, चिकित्सा आदि का इंतजाम किया गया है मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला, मौत का कुआं, मिठाइयों की दुकान, खिलौना, मनिहारी आदि की दुकान लगती हैं। हर रोज रात्रि में ईशा की नमाज के बाद उलमाए किराम के बयानात होंगे। राजस्थान व गुजरात के मशहूर मारूफ कव्वालों द्वारा कव्वालियां पेश की जाएगी। सुफियान अंदाज में कव्वाल द्वारा बेहतरीन कव्वाली पेश की जाती है। हजारों की संख्या में जायरीन अपनी मन्नतें लेकर दरगाह पीर अब्बनशाह पीर की जाल पर सैकड़ों की संख्या जियारत करने जायरीन आते है।

माहे रमजान में रोजा इफ्तार के वक्त की दुआ रद्द नहीं की जाती - मौलाना जमील अख्तर

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित उस्मानाबाद कॉलोनी में मस्जिद जामे-इनायत के इमाम मौलाना जमील अख्तर बीकानेरी ने माहे रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा कि माहे रमजान में हमारे सरकार अहमदे मुख्तार सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया जब रमजान आता है। तो आसमान के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। एक रिवायत मे आता है कि जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते है। एक रिवायत में है कि रहमत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। और जहनुम के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। और शैतान को जंजीरों में बांध दिए जाते हैं। प्यारे नबी मुस्तफा करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया कि अल्लाह पाक माहे रमजान में हर दिन इफ्तार के वक़्त दस लाख गुनाह गारों को जहनुम से आजाद फरमाता है। जिन पर गुनाह हों की

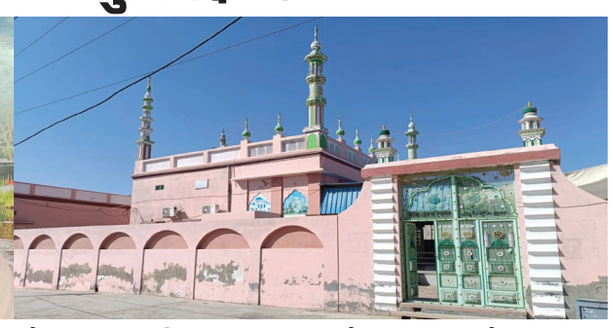

वजह से जहन्नम वाजिब हो चुका था। और जुमा की रात शुरू होने से लेकर जुमा का पूरा दिन सुरज डुबने तक हर सअत में दस लाख गुनाहगारों को जहन्नम से आज़ाद किया जाता है।

जो जहन्नम के अजाब के मुस्तहिक हो चुके थे और जब रमजान शरीफ का आखरी दिन आता है तो पहले रमजान से अब तक जितने बख्शे गये हैं उसकी मिक़दार संख्या के बराबर उस आखरी एक दिन में बख्शे जाते हैं। रमजान बख्शिश के लिए आया है। हजरत मौला अली शेरे खुदा रदीअल्लाहु अनहु फरमाते हैं। अगर अल्लाह तआला को उम्मते मुहम्मदी सलल्लाहो अलैहि वसल्लम को अजाब देना मकसूद होता तो इस उम्मत को रमजान और सुरह कुलहु अल्लाहु अहद शरीफ ना अता फरमाता। एक रोजा छोड़ने का नुकसान हमारे प्यारे नबी सल्लालाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया जिस शख्स ने रमजान के एक दिन का रोजा बगैर रूखसत बगैर मरज के इफ्तार किया यानी छोड़ दिया तो ज़माने भर का रोजा का बदला नहीं हो सकता। अगर चाहे बाद में रख भी ले। बुखारी व इब्ने माजा शरीफ में आया है कि इफ्तार के वक्त की दुआ रद्द नहीं होती।

हजरत अबदुाद्वाह बिन अमर बिन आस अल्लाहु अनहु से रिवायत है कि हमारे प्यारे नबी मुस्तफा करीम सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया कि रोजा की दुआ इफ्तार के वक्त रद्द नहीं कि जाती। और हजरत अबू हुरेराह रदीअल्लाहो अनहु फरमाते हैं कि हमारे प्यारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम फरमाते हैं कि तीन शख्स की दुआ रद्द नहीं की जाती है । रोजा दार जिस वक्त इफ्तार करता है 2 आदिल बादशाह और 3 मजलूम की दुआ। उसको अल्लाह तअला आसमान से उपर बुलंद करता है। और उसके लिए आसान के दरवाजे खोल दिया जाता है। माहे रमजान इस्लामिक कैलेंडर का नोवा पवित्र महीना है। जिसमें शहरी से लेकर । इफ्तार तक जितनी भी इबादत की जाती है वह अल्लाह कबूल फरमाता है। रात्रि को तरावी से लेकर सुबह शहरी के उठने तक रोज की नियत से सोना भी इबादत कहलाती है। माहे रमजान सभी महीनो से अफजल है और इबादत का महीना है।

लाडनूं पुलिस थाने में 'सुरक्षा सखी' बैठक में महिला सशक्तिकरण पर जोर

-महिलाओं को दिए आत्मरक्षा व बचाव के टिप्स

लाडनूं (रॉयल पत्रिका) । स्थानीय पुलिस थाने में 'सुरक्षा सखी' की एक बैठक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण को लेकर पुलिस ने सभी सुरक्षा सखियों से समाज में अपना पुरजोर योगदान देने का आह्वान किया और आत्मरक्षा व बदमाशों से मुकाबले के उपाय सिखाए गए। बैठक में एस.आई. पर्वत सिंह ने महिलाओं से पुलिस की मोबाइल-एप 'राजकॉप' को अपने मोबाइल में डाउनलोड करने व आवश्यकता होने पर उसके उपयोग करने एवं सहायता लेने की विधि समझाई। उन्होंने महिला सुरक्षा के लिए पुलिस की ओर से किए जाने वाले सभी तरह के तात्कालिक उपायों की जानकारी दी। महिला कांस्टेबल कमला ने जूडो-कराटे के प्रयोगों के प्रेक्टिकल अभ्यास के साथ महिलाओं को अपने बचाव और बदमाश को धराशायी करने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। कांस्टेबल किरण ने परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं की अहम् भूमिका बताते हुए कहा कि महिलाएं केवल अपने बच्चों को ही नहीं, बल्कि एक तरह से पूरे समाज को संस्कारित कर सकती हैं। महिलाएं समाज की सोच की दिशा बदल सकती हैं। महिलाएं अगर ठान लें तो समाज से अपराधों को भी कम कर सकती हैं। महिलाएं आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखे और उचित समय पर पुलिस को सूचना दें, तो यह भी राष्ट्र की

बड़ी सेवा होगी। महिलाएं सशक्त होंगी तो पारिवारिक विवाद पुलिस तक पहुंच ही नहीं पाएंगे। 'सुरक्षा सखी' के रूप में महिलाएं विवादों का निपटारा अपने स्तर पर कर सकती हैं। सभी महिलाओं से पुलिस की एप राजकॉप को अपने मोबाइल में डाउनलोड कर उपयोग करने और विद्यालयों में छात्राओं की व्यापक सुरक्षा के लिए उन्हें प्रशिक्षित करने की जरूरत बताई। महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए खुद को सजग बनाने और पुलिस विभाग द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने की आवश्यकता बताई। बैठक में पुलिस विभाग से जुड़ी सुरक्षा सखी महिलाएं उपस्थित रहीं।

'सशक्त नारी-सशक्त राजस्थान' के संकल्प के साथ मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

-डीडवाना में आयोजित जिला स्तरीय महिला समारोह में 80 महिलाओं को किया गया सम्मानित

लाडनूं/डीडवाना (रॉयल पत्रिका) । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डीडवाना के टाउन हॉल में रविवार को 'सशक्त नारी-सशक्त राजस्थान' के ध्येय के साथ आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रशासन ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 80 महिलाओं को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इनमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका, ग्राम साथिन और आशा सहयोगिनी शामिल रही। उत्कृष्ट विभागीय कार्य करने वाली चार महिलाओं को पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना के तहत ₹11000 की राशि व मोमेंटो और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 12 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को माता यशोदा पुरस्कार के तहत 5100 रुपये और 2100 रुपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा आशा सहयोगिनियों और चिकित्सा कर्मियों का अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम में जिले भर की महिलाशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उनके साहस और समाज निर्माण में योगदान की सराहना की गई।

विकसित समाज की नींव है महिला:-

महिला दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को प्रोत्साहित करना ही विकसित समाज की असली नींव होती है। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने कहा कि आज की नारी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। उन्होंने महिला सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता पर बल दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनीता माहेश्वरी ने उपस्थित महिलाओं को राज्य

सरकार द्वारा महिला क्षेत्र में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया और कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में निस्संकोच आगे बढ़ते रहना चाहिए।

इन सबकी रही उपस्थिति:-

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत, जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर, अतिरिक्त जिला कलक्टर मोहनलाल खटनावलिया, एडिशनल एसपी हिमांशु शर्मा, ट्रेनी आरपीएस रितु कुमारी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र चौधरी सहित महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, राजीविका एवं कृषि विभाग से अधिकारी व महिलाओं के अलावा अनेक जनप्रतिनिधियों सहित लगभग 750 महिलाएं उपस्थित रहीं।

सचिन पायलट के स्वागत में सैकड़ों कार्यकर्ता महन सरिया के नेतृत्व में लाडनूं पहुंचे

चुरू (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का लाडनूं में स्वागत करने के लिए चुरू से नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महन सरिया के नेतृत्व में दर्जनों गाड़ियों में सैकड़ों कार्यकर्ता रवाना हुए इस अवसर पर महन सरिया ने कहा कि पायलट का वहां पर 51 किलो की माला पहनाकर, व साफा शाल उड़ाकर स्वागत किया जाएगा, इस अवसर पर पूर्व जिला प्रमुख प्रतिनिधि मोहनलाल आर्य, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनीता कपूरिया, छात्र कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरपत रोलन, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष सरवन बसेर, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष ओम बाकोलिया, कालूराम महर्षि,पूर्व पार्षद सलीम पी. ए, जिला परिषद के पूर्व सदस्य किसना राम बाबल, शेषराम कारेंल, शर्मिला भाकर, लक्ष्मण सिंह न्योल, इदरीश खान मलावण सहित सैकड़ो कांग्रेसजन पूर्व सभापति महनसरिया के साथ पायलट का स्वागत करने के लिए रवाना हुए।

6 वर्ष के मासूम अर्श खान ने रखा जुम्मे के दिन पहला रोज़ा

-रोज़ा नमाज छोटे से लेकर बड़े तक पर भी फर्ज है

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। रमजान पाक के इस मुक़द्दस पवित्र महीने में रूहानी फिजाओं में आस्था और सब्र की एक खुबसूरत तस्वीर उस वक्त देखने को मिली जब डीडवाना कुचामन जिले की तहसील लाडनूं शहर के भुतपुर्व सैनिक स्व. अल्लादीन खान कायमखानी निवासी मदीना कालोनी शहरिया बास के पोते और सद्दाम खान कायमखानी के मजह 6 वर्ष के नन्हे बच्चे अर्श खान ने रमजान पाक के पवित्र महीने का एहतराम करते हुए जुम्मा के दिन अपना पहला रोजा रखकर अल्लाह की बारगाह में इबादते की। इतनी कम उम्र में चिलचिलाती गर्मी और लंबे समय के रोजे के बावजूद सब्र परहेज और दिन-ए- इस्लाम के प्रति अपनी गहरी आस्था का यह खुबसूरत नमूना न सिर्फ परिवार के लिए फख़्र का सबब बना बल्कि मुस्लिम समुदाय के लिए भी एक नर्म लेकिन गहरी प्रेरणा छोड़ गया है। अर्श खान ने अपनी नन्ही सी उम्र, नाजुक बदन का भी ख्याल न रखते हुए अपने ईमान और अपने होसले को और अधिक मजबूती की इस तरह मिशाल पेश की, कि बड़ों बड़ों को भी हैरत में डाल दिया। चेहरे पर थकान के बजाय एक अलग ही रौनक और उत्साह देखने को मिला। भूख और प्यास

की आजमाइश के बावजूद अर्श खान के चेहरे पर शिकन नहीं बल्कि दिन भर सुकून और खुशी झलकती रही। यह रोजा सिर्फ एक धार्मिक कर्म नहीं बल्कि यह इस बात की मिसाल है कि सही तालीम पारिवारिक संस्कार और दिन-ए-इस्लाम से जुड़ाव बचपन में ही इंसान के दिल में उतर जाए तो वह उम्र का मोहताज नहीं रहता। अर्श खान का यह कदम न केवल परिवार के लिए फख़्र का सबब है बल्कि मुस्लिम समाज के लिए भी एक सबसे बेहतरीन प्रेरणादायक संदेश भी है कि रमजान सिर्फ इबादत का महिना नहीं बल्कि सब्र, सादगी और रूहानी परवरिश का भी महीना है। अर्श खान के पहले रोजे को लेकर परिवार में सुबह से ही काफी उत्साह था। शहरी के वक्त से ही बच्चे को विशेष रूप से तैयार किया गया। अर्श खान के बड़े पापा सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया कि अर्श खान काफी समय से रोजा रखने की जिद कर रहा था, बच्चे की मम्मी रूखसार बानो ने भी अपने लाडले की हिम्मत और होंसले को और अधिक मजबूत करने के लिए जुम्मा के मुबारक दिन के विशेष मौके पर उसने रोजा रखकर अपनी दिली इच्छा को पूरा किया। शाम को इफ्तार के समय अर्श खान को फूल मालाओ का हार पहनाए गए और परिजनों व रिश्तेदारों ने उसे तोहफे देकर उसकी हौसला अफजाई की। इफ्तार के दस्तरखान पर अर्श खान के लिए उसकी पसंद के पकवान बनाए गए। मोहल्ले के बड़े-बूजुर्गो ने नन्हे बच्चे अर्श खान के उज्जवल भविष्य और अच्छी सेहत लम्बी उम्र के लिए विशेष दुआएं मांगी। कायमखानी ने बताया की बच्चों को बचपन से ही अपनी संस्कृति और इबादत के प्रति यह लगन देखना बहुत सुखद समाचार है। अर्श खान ने जिस सब्र के साथ अपना पहला रोजा मुकम्मल किया वह अपने आप में काबिले तारीफ के लायक है। अल्लाह तआला इस मासूम रोजेदार की इबादत रोजा नमाज अपनी बारगाह में कबूल फरमाएं और उसे नेक सेहत व कामयाबी आता करें। आमीन,

तीसरे जुमे की नमाज में जकात के बारे में विस्तार से बताया गया

-शहर की सभी मस्जिदों में अकीदत के साथ नमाज अदा की गई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रमजान के पवित्र महीने में जुमा पर मस्जिदों में विशेष नमाज अदा होती है। हर रोजेदार पहले से ही अपने नजदीकी मस्जिदों में जाकर जगह रोक लेते हैं और मुस्लिम मोहल्ले में मस्जिदों के आस-पास काफी चहल-पहल रहती है आज माह का तीसरा जुमा (शुक्रवार) की नमाज दोपहर 1:30 बजे अदा की गई। जुम्मा की नमाज का काफी महत्व है। इबादत का सवाब (पुण्य) आम दिनों के मुकाबले 70 गुना तक अधिक माना जाता है। जुमे की नमाज की ख़ास विशेषताएं: होती है। इस दिन मस्जिद में सामूहिक इबादतः होती हैं। यह नमाज अकेले नहीं, बल्कि मस्जिद में जमात के साथ अदा की जाती है, जो समुदाय में एकता और भाईचारे का प्रतीक है। खुत्बाः नमाज से पहले इमाम साहब खुत्बा (धर्मोपदेश) देते हैं, जिसमें दीन की बातें और सामाजिक सुधार के संदेश दिए जाते हैं। हाजन मस्जिद के इमाम मौलाना तोफैल अहमद ने कहा इस्लाम में ज़कात (अनिवार्य दान) है। नहीं देना एक बड़ा गुनाह माना गया है। और जकात साहिबे निशाब पर

फर्ज है। (धनवान पर) और इसके लिए कुरान और हदीस में सख्त चेतावनियां दी गई हैं। ज़कात इस्लाम का तीसरा स्तंभ(Pillar) है, और इसे जान बूझकर न देना न केवल धार्मिक कर्तव्य का उल्लंघन है, बल्कि इसके लिए परलोक (आख़िरत) में दर्दनाक सज़ाओं का उल्लेख किया गया है: और हदीस में आया है कि आप की संपत्ति का ज़हरीला सांप बननाः हदीस (सहीह बुखारी: 1403) के अनुसार, जो व्यक्ति अपनी संपत्ति की ज़कात नहीं देता, कयामत के दिन उसकी संपत्ति एक गंजे ज़हरीले सांप के रूप में उसके गले का हार बना दी जाएगी। वह सांप उसके गालों पर काटेगा और कहेगा, "मैं ही तुम्हारा धन हूँ, मैं ही तुम्हारा खजाना हूँ"। आग से दागनाः कुरान (सूरह अत-तौबा, 9:34-35) में बताया गया है कि जो लोग सोना-चांदी जमा करते हैं और ज़कात नहीं देते, कयामत के दिन उस धन को जहन्नुम की आग में तपाया जाएगा और उससे उनके माथे, पहलुओं और पीठ को दागा जाएगा। दुनियावी नुकसानः हदीस (सुनन इब्न माजाहः 4019) के अनुसार, जब कोई कौम ज़कात देना बंद कर देती है, तो अल्लाह उनसे बारिश (रहमत) रोक लेता है। इस्लामी कानून और इतिहासः में पहले खलीफा हजरत अबू बक्र (रजि.) के समय में, जिन कबीलों ने ज़कात देने से इनकार किया था, उनके खिलाफ युद्ध की घोषणा की गई थी क्योंकि उन्होंने नमाज़ और ज़कात के बीच फर्क किया था । शहर की सभी मस्जिदों में तीसरे जुम्मे की नमाज बड़ी ही अकीदत के साथ अदा की गई।। ओर देश और दुनिया के लिए अमन - चैन की दुआएं की गई।

चूरू जिला खेल स्टेडियम का नाम लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ खेल स्टेडियम होगा

-जिन्होंने हैलीकाप्टर में 64 सुराख के बाद भी अपना जलवा दिखाया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। हमारा देश इस वर्ष भारतीय सेना के श्रेष्ठ कमांडरों में से एक श्रेष्ठ फील्ड कमांडर और सबसे कामयाब सेनानायक माने जाने वाले जनरल सगत सिंह राठौड़ परम (विशिष्ट सेवा मेडल) का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहा है। भारतीय सेना में उन्हें वही स्थान हासिल है जो अमेरिकी सेना में जनरल पैटन और जर्मन सेना में रोमेल को हासिल था। चूरू जिले की रतनगढ़ तहसील के गांव कुसुमदेसर के निवासी सगत सिंह का जन्म 14 जुलाई 1919 को हुआ। बचपन से ही देशप्रेम का जज्बा रखने वाले सगत सिंह ने स्कूली शिक्षा के दौरान ही इंडियन मिलेट्री एकेडमी ज्वॉइन कर ली और उसके बाद बीकानेर स्टेट फोर्स ज्वॉइन की। दूसरे विश्व युद्ध में इन्होंने मेसोपोटामिया, सीरिया, फिलीस्तीन के युद्धों में अपने जौहर दिखारा सन् 1947 में देश आजाद होने पर उन्होंने भारतीय सेना ज्वॉइन करने का निर्णय लिया और सन् 1949 में 3 गोरखा राइफल्स में कमीशंड ऑफिसर के तौर पर उन्हें नियुक्ति मिल गई। आजादी के बाद सन् 1961 में गोवा मुक्ति अभियान में सगत सिंह के नेतृत्व में ऑपरेशन विजय के अंतर्गत vivo T2 चीन इस पर कब्जा कर लेता। सन् 1967 में मेजर जनरल सगत सिंह को जनरल सैम मानेकशॉ ने मिजोरम में अलगाववादियों से लड़ने की जिम्मेदारी दी, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। 1970 में सगत सिंह को लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर प्रोन्नति देकर 4 कोर्स के जनरल आफिसर कमांडिंग के तौर पर तेजपुर में नियुक्ति दी गई। बांग्लादेश मुक्ति युद्ध में रागत सिंह ने बेहतरीन युद्ध कौशल और रणनीति का परिचय दिया तथा युद्ध इतिहास में पहली बार किसी मैदानी सेना ने छाताधारी ब्रिगेड की मदद से विशाल नदी पार करने का कारनामा कर दिखाया। यह जनरल सगत सिंह के अति साहसी निर्णयों से ही संभव हुआ। इसके बाद पाकिस्तान के जनरल नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण किया और बांग्लादेश आजाद हुआ। बांग्लादेश मुक्ति युद्ध में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण उन्हें बांग्लादेश सरकार द्वारा सम्मान दिया गया और परम विशिष्ट सेवा मेडल, पी.वी.एस.एम. के साथ साथ भारत सरकार द्वारा देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मभूषण से सम्मानित

किया गया। 30 नवंबर 1976 को रिटायर हुए जनरल सगत सिंह ने अपना अंतिम समय जयपुर में बिताया। 26 सितंबर 2001 को इस महान सेनानायक का देहांत हुआ। बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान वे हेलीकॉप्टर से लड़ाई vivo T2 जब लेपिटमेंट जनरल नियाजी के नेतृत्व में 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने 1971 में भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया घेरे में जनरल सगत सिंह राठौड सैनिक कार्यवाही हुई और पुर्तगाली शासन के अंत के बाद गोवा भारतीय गणतंत्र का अंग बना। 1965 में ब्रिगेडियर सगत सिंह को मेजर जनरल के तौर पर नियुक्ति देकर जनरल ऑफिसर 17 माउंटेन डिवीजन की कमांड दे चीन की चुनौती का सामना करने के लिए सिक्किम में तैनात किया गया। वहां चीन की चेतावनी से अविचलित होकर सगत सिंह ने अपना काम जारी रखा और नाथू ला को खाली न करने का निर्णय लिया जिसके फलस्वरूप नाथू ला आज भी भारत के कब्जे में है। और युद्ध स्थल पर ही लैंड कर जाते थे। इस तरह के मुआयने के दौरान ही एक बार उनके हेलीकॉप्टर पर पाकिस्तानी सैनिकों ने गोलियां चलाई जिसमें पायलट भी बुरी तरह जख्मी हो गया। ऐसी स्थिति में सह पायलट ने नियंत्रण सम्हाला और हेलीकॉप्टर वापस अगरतला आया। बाद में जांच में पता चला कि हेलीकॉप्टर में गोलियों से 64 सुराख हो गए लेकिन फिर भी जनरल सगत सिंह पर इसका कोई असर न हुआ और वे एक दूसरा हेलीकॉप्टर लेकर निरीक्षण पर निकल पड़े। उनकी बहादुरी के अनेक किस्से भारतीय सैन्य इतिहास में दर्ज हैं। और युद्ध की चर्चाओं में गर्व के साथ सुनाए जाते हैं। उनके साथ काम कर चुके जनरल सैन्य अधिकारियों के अनुसार, वे भारतीय सेना के बेस्ट फिल्ड कमांडर थे। जनरल सगत सिंह आगे बढ़कर अपने सैनिकों का नेतृत्व करते थे और सैनिक उनके लिए जान देने को तैयार रहते थे। वे काम का बंटवारा करने और साथियों को जिम्मेदारी देने में बहुत माहिर थे तथा साथ ही जूनियर्स को मोटीवेट करते थे। गलती हो जाने पर वे जूनियर्स को जिम्मेदार ठहराने की बजाय जिम्मेदारी खुद लेते और गलती को सुधारने की कोशिश करते। मिलिट्री ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशंर में आज भी जनरल सगत सिंह राठौड़ के बारे में युवा सैन्य अधिकारियों को पढ़ाया जाता है। (यह जानकारी कुमार अजय द्वारा लिखित विभिन्न पत्र पत्रिकाओं से प्राप्त हुई)

माहे रमजान में हर वर्ष की भांति तीन दिवसीय नि:शुल्क भंडारे का समापन

-अतिथियों ने संस्थान को दिया साधुवाद

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नई सड़क स्थित ऑल युवा मुस्लिम सेवा संस्थान की ओर से जरूरतमंद लोगों के लिए रमजान माह में तीन दिवसीय नि:शुल्क भंडारे का समापन किया गया। समाजसेवी अलाउदीन खान व पिथीसर सरपंच जंगशेर खान दोनों ने आए हुए जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाया। सरपंच ने कहा कि इस नेक और मुबारक महिने में जितना किया जाए वो कम है। अल्लाउदीन खान ने संस्थान के जिलाध्यक्ष संजय खान घांघू व उनकी पूरी टीम को साधुवाद दिया। उन्होने कहा कि इस पवित्र महीने में किसी भूखे को खाना खिलाना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। इस मौके पर मोहम्मद आसिफ,

शिव शर्मा, इदरीश खान, मोहम्मद मुस्तफा, इमरान अली, मोहम्मद साकिर,शराफत खान, अहमद खान, मनोज महनसरिया, अमित कुमार, सलीम जॉन, शाहरूख आदि मौजूद रहे। संस्था अध्यक्ष संजय खान गंगू ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

मेवात की इंशा खान ने यूपीएससी में हासिल की 678 वीं रैंक

जयपुर। अक्सर अपराध और साइबर क्राइम के कारण सुर्खियों में रहने वाले मेवात क्षेत्र से इस बार एक सकारात्मक खबर सामने आई है। डीग जिले के मेवात इलाके की रहने वाली इंशा खान ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में 678वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 30 वर्षीय इंशा खान कामां तहसील के उतावड़ा गांव की निवासी हैं। उन्होंने लंबे समय तक सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की और छठे प्रयास में सफलता हासिल की। उनकी यह उपलब्धि मेवात क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर सामने आई है। इंशा ने वर्ष 2012 में झिरका के अरावली पब्लिक स्कूल से 12वीं की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने 2017 में कुरुक्षेत्र के एनआईटी कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। इंशा खान के भाई मुख्तियार अहमद वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कामां सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे थे, लेकिन उन्हें भाजपा प्रत्याशी नौक्षम चौधरी से हार का सामना करना पड़ा था। इंशा खान का कहना है कि मेवात क्षेत्र को अक्सर साइबर अपराध के लिए बदनाम किया जाता है, लेकिन यहां के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि युवाओं को सही दिशा और प्रेरणा मिले तो वे शिक्षा के माध्यम से अपने और क्षेत्र के भविष्य को बदल सकते हैं। उन्होंने बताया कि सिविल सेवा परीक्षा में उन्हें पहले पांच प्रयासों में असफलता मिली, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत जारी रखी। आखिरकार छठे प्रयास में उन्हें सफलता मिल गई। इंशा खान के पिता उस्मान खान किसान हैं, जबकि उनकी मां गृहिणी हैं। उनकी सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोग इसे मेवात के युवाओं के लिए नई उम्मीद के रूप में देख रहे हैं।

कौन हैं बिहार के नए राज्यपाल सैयद अता हसनैन? आजादी के बाद अबतक कितने गवर्नर

पटना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार की रात बिहार समेत आठ राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति की। नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी बनने के साथ बिहार में नए मुख्यमंत्री की ताजपोशी होनी है। नये मुख्यमंत्री के साथ राज्य में नये राज्यपाल भी होंगे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां को हटाकर उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उधर, बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता नंदकिशोर यादव को नगालैंड का राज्यपाल बनाया गया है।

भारतीय सेना के दिग्गज अधिकारी रहे हैं हसनैन

बिहार के नए राज्यपाल सैयद अता हसनैन भारतीय सेना के दिग्गज अधिकारी रहे हैं। उन्हें रणनीतिक मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। वह जम्मू-कश्मीर में 15वीं कोर की कमान संभाल चुके हैं। 2018 में हसनैन को कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया था। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य के रूप में भी उन्होंने सेवाएं दी हैं। 40 साल की सेवा के बाद 2013 में वे सैन्य सचिव के पद से सेवानिवृत हुए। उनके पिता मेजर जनरल सईद महदी हसनैन भी भारतीय सेना के अधिकारी थे। उनकी पढ़ाई नैनीताल, दिल्ली व लंदन के किंग्स कॉलेज से हुई। हसनैन ने वर्ष 1988-90 में श्रीलंका में ऑपरेशन पवन और 1990-91 में पंजाब में आतंकवाद विरोधी अभियान में भाग लिया। वह कई पदक विजेता भी हैं।

10 वर्षों में सात राज्यपाल बदले

पिछले 10 वर्षों में बिहार में सात राज्यपाल बदले। हाल के वर्षों में बिहार में राज्यपाल का कार्यकाल औसतन डेढ़ से दो साल ही रहा है। आरिफ मोहम्मद खां के पहले राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर 17 फरवरी 2023 से 1 जनवरी 2025 और फागू चौहान 29 जुलाई 2019 से 16 फरवरी 2023 तक राज्यपाल रहे। लालजी टंडन 23 अगस्त 2018 से 28 जुलाई 2019 और सत्यपाल मल्लिक 4 अक्तूबर 2017 से 22 अगस्त 2018 तक तथा 22 जून 2017 से 3 अगस्त 2017 तक केशरी नाथ त्रिपाठी राज्यपाल रहे। इसके पहले 16 अगस्त 2015 से 21 जून 2017 तक रामनाथ कोविंद राज्यपाल थे।

उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

पिछले अंको में छपे लेखों में आपने पढ़ा कि उमराह क्या है और उमराह क्यों करना चाहिए। उमराह पैकेज बुक कराने से पहले टिकट, वीज़ा और होटल के ताल्लुक़ से क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए।

आइये आज हम जानते हैं कि ट्रांसपोर्ट और लॉन्ड्री के बारे में क्या सावधानियाँ रखनी हैं।

जैसा कि वीज़ा के लेख में बताया गया था कि होटल बुकिंग रेफरेन्स नंबर के बिना वीज़ा नहीं लग सकता, उसी तरह वीज़ा लगने के बाद सऊदी सरकार द्वारा अधिकृत ट्रांसपोर्टर से ही ट्रांसपोर्ट लेना ज़रूरी है नहीं तो हाजी को एयरपोर्ट से बाहर नहीं निकलने देते और अगर किसी तरह बाहर निकल भी जाएँ तो पकड़े जाने पर वीज़ा कम्पनी पर जुर्माना लगता है और हाजी अपने खुद के खर्चे पर आगे का ट्रांसपोर्ट करता है। जबकि होना ये चाहिए कि वीज़ा लगने के बाद फुल ट्रांसपोर्ट यानि कि जेद्दाह एयरपोर्ट से मक्का होटल, मक्का की ज़ियारतें, मक्का होटल से मदीना होटल ले जाना, मदीना की ज़ियारतें, मदीना होटल से मदीना एयरपोर्ट या जेद्दाह एयरपोर्ट के लिए अधिकृत ट्रांसपोर्टर से ही फुल और कम्पलीट ट्रांसपोर्ट लिया जाये।

लेकिन सस्ते के चक्कर में कुछ लोग आधा अधूरा या सिर्फ़ जेद्दाह एयरपोर्ट से मक्का होटल तक का ट्रांसपोर्ट ले लेते हैं और बाकी का ट्रांसपोर्ट जैसे तैसे किसी दूसरे सस्ते बस वाले से बात करके कर लेते हैं। अब सस्ते बस वालों की टाइम की तो कोई ज़िम्मेदारी होती नहीं और हाजी सामान के साथ फुटपाथ या सड़क पर परेशान होते रहते हैं। सस्ता बस वाला होटल के दरवाज़े पर नहीं आता और हाजी सामान साथ लेकर बस तक जैसे तैसे पहुँचता है तो उसके बाद वो बस वाला मदीना में होटल के दरवाज़े पर नहीं उतारता और हाजी फिर सामान के साथ जैसे तैसे होटल के दरवाज़े तक पहुँचता है।

इसके बाद हम बात करते हैं लॉन्ड्री की।

उमराह पैकेज में लॉन्ड्री की बात तो सभी लोग करते हैं, लेकिन उनसे ये भी पूछ लें कि एक हफ्ते में कितनी बार कपडे दे सकते हैं और कितने कपड़े दे सकते हैं। कहीं ऐसा न हो कि सस्ते के चक्कर में उतने कपड़ों की लॉन्ड्री नहीं हो जितने की आपको ज़रूरत है।

उमराह पर जाते वक़्त हाजी अच्छे से अच्छे कपड़े लेकर जाते हैं लेकिन सस्ती लॉन्ड्री के चक्कर में कभी कपड़े गुम हो जाते हैं, या तेज़ केमिकल की वजह से कपड़े का रंग उड़ जाता है। अब फिर सस्ते लॉन्ड्री वाले की कोई ज़िम्मेदारी तो होती नहीं। अब आप ही सोचें कि सस्ता ट्यूर कहीं महंगा न पड़ जाये। एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता, और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

आज के लिए बस इतना ही, बाकी अगले हफ्ते इंशा अल्लाह। खुदा हाफ़िज़!

अब्दुल हमीद मंसूरी
(8952937611)
मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया

UPSC में मुस्लिम प्रतिभा तमिलनाडु के ए आर राजा मोहीउद्दीन ने हासिल की 7वीं रैंक

-डॉक्टर से IAS बनने का सफर: कांचीपुरम के एक अनुशासित परिवार से निकलकर राजा ने रचा इतिहास; -समुदाय के नौजवानों के लिए पेश की मिसाल

चेन्नई/जयपुर। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के नतीजों ने पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ाई है, लेकिन इस बार की सफलता मुस्लिम समुदाय के लिए बेहद खास है। तमिलनाडु के रहने वाले ए आर राजा मोहीउद्दीन ने अखिल भारतीय स्तर पर 7वीं रैंक (AIR-7) हासिल कर यह साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत हों और मेहनत सच्ची हो, तो कामयाबी कदम चूमती है। राजा की यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरी कौम के लिए फख्र का मकाम है।

तालीम और अनुशासन की बुनियाद

ए आर राजा मोहीउद्दीन का जन्म तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले के चेंगलपट्टू में हुआ और उनकी परवरिश चेन्नई के एक ऐसे माहौल में हुई जहाँ शिक्षा और अनुशासन को हमेशा सर्वोपरि रखा गया। राजा के परिवार ने उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया, जिसका नतीजा आज सबके सामने है। उनकी सफलता यह पैगाम देती है कि समुदाय के भीतर शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता ही आने वाले समय में सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया बनेगी।

डॉक्टर से प्रशासनिक सेवा तक का सफर

राजा की शैक्षिक यात्रा बहुत प्रभावशाली रही है:

प्रारंभिक शिक्षा: उन्होंने चेन्नई के डी.ए.वी. बॉयज़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल से साल 2014 में 10वीं और बाद में वहीं से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। मेडिकल डिग्री: साल 2022 में उन्होंने राजा मुथैया मेडिकल कॉलेज (अन्नामलाई विश्वविद्यालय) से एमबीबीएस (MBBS) की डिग्री हासिल की। एक डॉक्टर होने के नाते राजा ने न केवल चिकित्सा विज्ञान को समझा, बल्कि समाज की उन जमीनी हकीकतों को भी देखा जिन्हें सुधारने के लिए उन्होंने प्रशासनिक सेवा (IAS) में आने का फैसला किया। उनका मानना है कि मेडिकल की पढ़ाई ने उन्हें विश्लेषणात्मक सोच दी, जो यूपीएससी की तैयारी में संजीवनी साबित हुई।

मुस्लिम युवाओं के लिए नई उम्मीद

राजा मोहीउद्दीन की यह कहानी आज उन हजारों मुस्लिम अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है, जो संसाधनों की कमी या कठिन परीक्षा के डर से पीछे हट जाते हैं। उनकी 7वीं रैंक यह स्पष्ट करती है कि मेहनत और निरंतरता (Consistency) के दम पर दुनिया की सबसे कठिन मानी जाने वाली इस परीक्षा में भी झंडे गाड़े जा सकते हैं।

पुतिन ने दिया ईरान को खुला समर्थन

तेहरान/वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के 10वें दिन ईरान ने इजरायल पर भीषण बैलिस्टिक मिसाइल हमला किया है। यह कार्रवाई ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह सैयद मोजतबा खामेनेई के नेतृत्व में हुई है। मोजतबा को उनके पिता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद नया सर्वोच्च नेता चुना गया है। ईरानी मीडिया ने इसे 'ऑपरेशन ईमानदार वादा 4' करार दिया है। हमले में तेल अवीव और नेगेव रेगिस्तान को निशाना बनाया गया, जिससे सेंट्रल इजरायल में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जवाब में इजरायल ने भी ईरान के 140 ठिकानों और IRGC एयर फोर्स मुख्यालय को नष्ट करने का दावा किया है।

आम व खास सूचना

आम व खास को सूचित किया जाता है कि रॉयल पत्रिका के प्रतिनिधि मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी वल्द गुलाब उस्ताद, निवासी 96, कागज़ी बस्ती, सांगानेर बाजार, सांगानेर, जयपुर अब संस्थान (रॉयल पत्रिका) में नहीं हैं । मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी द्वारा लेन-देन में गड़बड़ी करने के कारण हटा दिया गया है । अत: कोई भी व्यक्ति इनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करे। यदि कोई भी व्यक्ति ऐसा करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

-संपादक

फार्म – 4
(नियम 8 देखिये)

1. समाचार पत्र का नाम	रॉयल पत्रिका
2. भाषा	हिन्दी
3. प्रकाशन का स्थान	जयपुर
4. प्रकाशन की अवधि	साप्ताहिक
5. मुद्रक का नाम	अम्बर ऑफ़सेट प्रा. लि.
(क्या भारतीय नागरिक है ?)	हाँ
पता	4312, मोहल्ला नायकों का जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरवाड़ा, रामगंज बाज़ार, जयपुर
6. प्रकाशक का नाम	मुन्ना खान
(क्या भारतीय नागरिक है ?)	हाँ
पता	4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरवाड़ा, रामगंज बाज़ार, जयपुर
7. संपादक का नाम	मुन्ना खान
(क्या भारतीय नागरिक है ?)	हाँ
पता	4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरवाड़ा, रामगंज बाज़ार, जयपुर
8. उन व्यक्तियों का नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्रा. लि. 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरवाड़ा, रामगंज बाज़ार,जयपुर

मैं मुन्ना खान एतद द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिये गये विवरण सत्य हैं।

ह.
मुन्ना खान
प्रकाशक के हस्ताक्षर

दिनांक : 09 मार्च 2026

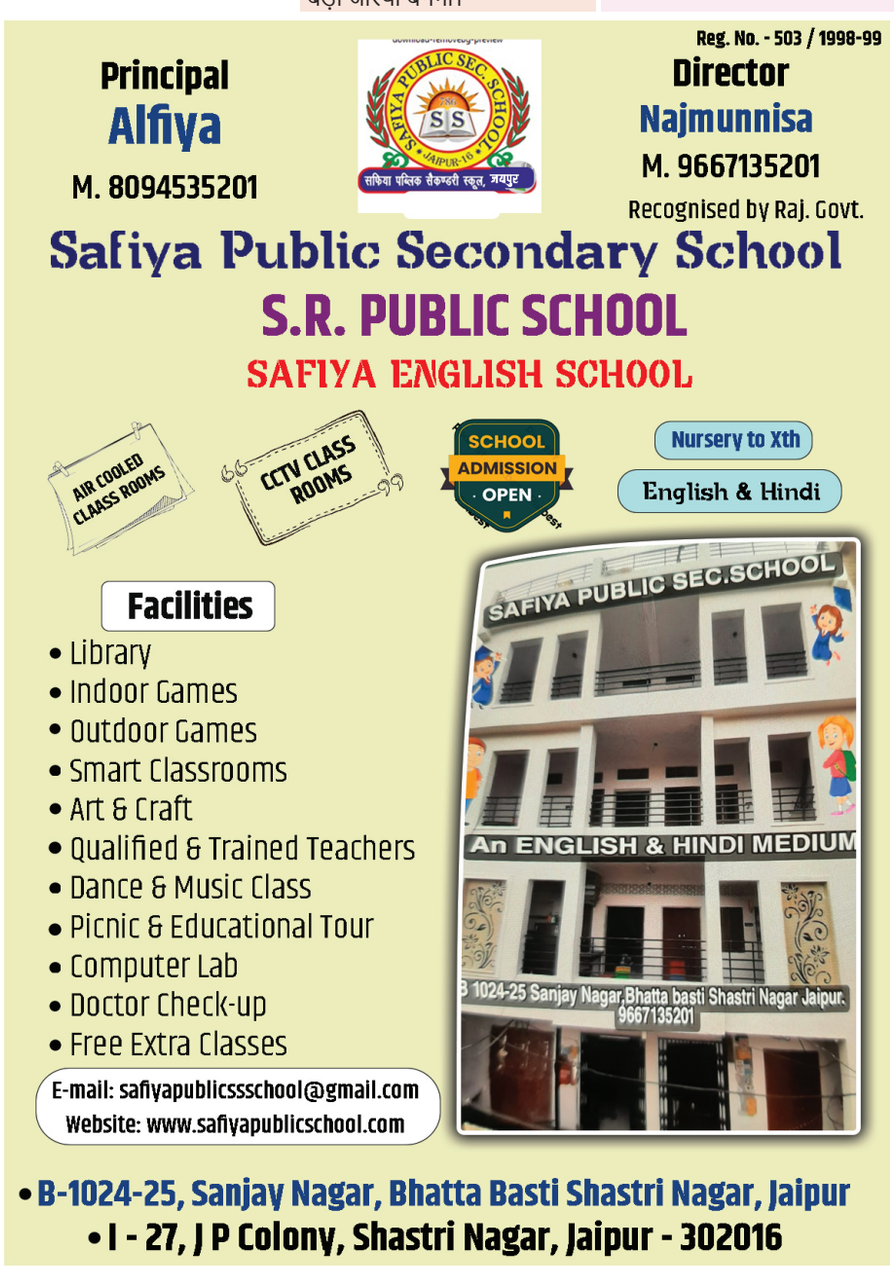

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com